04 - पशुबल का कायल होता समाज

05 - मशहूर फिल्म 'शोले' का भोपाल कनेक्शन

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 14 अगस्त, 2025

06 - सड़क किनारे बाजार संचालित होने से लगता है जाम, सबसे ज्यादा...

07 - प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 305, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

रूस बनाम अमेरिका : भारत के लिए किसका साथ ज्यादा फायदेमंद है?

अभिनव गोयल

रूस और अमेरिका, दोनों ही दशकों से भारत के लिए अहम रणनीतिक साझेदार रहे हैं। मौजूदा वैश्विक हालात ने इस सवाल को और तीखा कर दिया है कि भारत के लिए किसके साथ रहना ज़्यादा फायदेमंद है?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के चलते भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत का टैरिफ़ लगा दिया है। इस तरह यह नया टैरिफ़ पहले से लागू 25 प्रतिशत टैरिफ़ के साथ जुड़कर कुल 50 प्रतिशत हो जाएगा।

रूस के साथ भारत के रिश्ते पुराने और भरोसेमंद रहे हैं। रक्षा सौदों से लेकर ऊर्जा आपूर्ति तक रूस, भारत का अहम साझेदार रहा है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) के मुताबिक 2019 से 2023 के बीच रूस से होने वाला हथियार आयात 36 प्रतिशत का था। वहीं हाल के सालों में रूस से आने वाले सस्ते कच्चे तेल ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत दी है।

दूसरी तरफ, अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। साल 2024-25 में दोनों देशों के बीच 131.84 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ। वहीं, हाई-टेक डिफेंस इक्विपमेंट से लेकर क्लीन एनर्जी तक के क्षेत्र में अमेरिका पर भारत की निर्भरता बढ़ी है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि अमेरिका और रूस के बीच बढ़ते टकराव में भारत के लिए किसका साथ फायदेमंद रहेगा?

भारत अपनी कुल ज़रूरत का क़रीब 88 प्रतिशत तेल आयात करता है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक़, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत के कुल तेल आयात का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा रूस से आया, जबकि वित्त वर्ष 2018 में यह केवल 1.3 प्रतिशत ही था। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगाए। उसके बाद वह सस्ते दामों पर तेल बेच रहा है, जिससे भारत को बड़ा फ़ायदा पहुंच रहा है।

सर्च ग्रुप ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के फ़ाउंडर अजय श्रीवास्तव का मानना है कि रूस से सस्ता तेल खरीदकर भारत सालाना दस बिलियन डॉलर की बचत कर रहा है। 'वहीं दूसरी तरफ भारत का अमेरिका के साथ करीब 41 बिलियन डॉलर का ट्रेड सरप्लस (निर्यात ज्यादा, आयात कम) है। हम करीब 87 बिलियन डॉलर का सामान अमेरिका को दे रहे हैं। अगर ट्रंप का 50 प्रतिशत टैरिफ़ बना रहता है तो भारत के निर्यात में 50 बिलियन डॉलर तक की गिरावट आ सकती है। रूस से तेल ना खरीदने की स्थिति में यह टैरिफ़ 25 प्रतिशत पर रहेगा और भारत का निर्यात 30 बिलियन तक गिरेगा।'

ऐसी ही बात 'द इमेज इंडिया इंस्टीट्यूट' के अध्यक्ष रॉबिंद्र सचदेव भी करते हैं। उनका मानना है, 'अमेरिकी टैरिफ़ का एक प्रतिशत, करीब एक बिलियन के बराबर है। अगर 50 प्रतिशत टैरिफ ट्रंप लगाते हैं तो भारत को करीब 50 बिलियन डॉलर का नुकसान होगा। ना सिर्फ पैसा बल्कि भारत में बड़े पैमाने पर नौकरियां भी जा सकती हैं। टैरिफ बढ़ने पर सामान अमेरिका कम जाएगा और भारत में व्यापार पर असर पड़ेगा और नौकरियां जाएंगी।'

'विदेश नीति के जानकारों का मानना है कि सिर्फ़ आर्थिक नज़रिए से दो देशों के बीच फैसले नहीं लिए जाते हैं, बल्कि जियो पॉलिटिक्स, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को भी तरजीह दी जाती है। निकोर एसोसिएट्स की अर्थशास्त्री मिताली निकोर का मानना है कि भारत को ट्रंप के दबाव में आकर फ़ैसला नहीं लेना चाहिए। वहीं अजय श्रीवास्तव का मानना है कि ट्रंप के दबाव में भारत, रूस से रिश्ते खराब नहीं कर सकता है। संकट के समय में अमेरिका की बजाय रूस ने भारत की मदद की है। यह ज़रूरी नहीं है कि अगर भारत, रूस से तेल खरीदना बंद कर दे, तो अमेरिका अपने 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ़ को हटा देगा। लेकिन मुद्दा सिर्फ तेल का नहीं है।'

शुरू से भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष रही है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दो या अधिक बड़े सैन्य या राजनीतिक गुटों में से भारत किसी एक का हिस्सा नहीं रहा है। भारत ने स्वतंत्र और निष्पक्ष रुख रखा है।

'अजय श्रीवास्तव कहते हैं कि तेल बहुत टेंपरेरी मामला है। डिफेंस के क्षेत्र में रूस और भारत पुराने दोस्त हैं। भारत को रूस और अमेरिका के बीच संतुलन बनाकर चलने की ज़रूरत है।'

'रॉबिंद्र सचदेव का मानना है कि ये टैरिफ़ युद्ध ज्यादा लंबा नहीं चलेगा। ना सिर्फ भारत के लिए अमेरिका ज़रूरी है, बल्कि अमेरिका भी भारत के बिना कुछ नहीं कर सकता। चीन उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती है, जिसके लिए भारत के साथ की ज़रूरत है। भारत का बाजार अमेरिका के लिए बहुत बड़ा है। अमेरिका की कॉर्पोरेट लॉबी भी टैरिफ़ के खिलाफ़ ट्रंप पर दबाव बना रही है।'

वहीं मिताली निकोर का कहना है, 'ये मुश्किल समय है और इसमें भारत को मजबूत रहना होगा। अमेरिका में अंदरूनी तौर पर जो चल रहा है, वह भारत के लिए अच्छा है। अमेरिका में जो लोग भारत के पक्ष में बोल रहे हैं। उनके साथ हमें बैक चैनल बात करनी चाहिए, ताकि इस स्थिति को डिफ्यूज किया जा सके। साथ ही भारत को डायवर्सिफिकेशन की रणनीति पर काम करना होगा। हम एक देश पर इतना भरोसा नहीं कर सकते। हमें निर्यात के लिए यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूएई जैसे बड़े देशों के साथ व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करना होगा। वे कहती हैं, 'भारत सालाना करीब 40 प्रतिशत यानी 25 हजार करोड़ का झींगा, अमेरिका को भेजता है, लेकिन अब भारत ने यूके के साथ फ्री ट्रेड डील की है जिसके बाद भारत अपने झींगे यूके भेज पाएगा। वहां भी अच्छी खासी डिमांड है। इस तरह अपने सामान के लिए भारत दूसरे बाजार तलाश सकता है। भारत को अपने ट्रेडर्स को मजबूत करने की ज़रूरत है, ताकि वे नए-नए बाजार खोज पाएं। सरकार को छोटे व्यापारियों का भी साथ देना चाहिए, ताकि वे मेक इन इंडिया को मजबूत कर पाएं, जिससे विदेशों पर हमारी निर्भरता कम होगी।'

हालांकि रॉबिंद्र सचदेव का मानना है कि अपने निर्यात बाजार को शिफ्ट करना आसान नहीं है। भारत कुछ हद तक अपने निर्यात को डायवर्सिफाई कर सकता है, लेकिन वह इतना आसान नहीं है। अमेरिका एक बहुत बड़ा बाजार है, ऐसा बाजार दुनिया में खोजना मुश्किल काम है। उनका कहना है, 'भारत को अंदरूनी तौर पर भी रिफॉर्म की ज़रूरत है। एक साल के लिए भारत को हफ्ते में छह दिन काम को जरूरी कर देना चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं तो हमारी जीडीपी में दो प्रतिशत तक का उछाल आ सकता है।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का कारगर हथियार : मुख्यमंत्री

● ऑनलाइन उपयोगकर्ता अपने बैंक अकाउंट और सोशल मीडिया का सावधानी से करें उपयोग ● प्रदेश के सभी जिलों में जारी है साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान ● मुख्यमंत्री ने साइबर सुरक्षा के लिए भारतीय स्टेट बैंक और पुलिस के जागरुकता अभियान को सराहा

मुख्यमंत्री ने झंडी दिखाकर किया साइबर सुरक्षा जागरूकता रथ को रवाना

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत डिजिटल पेमेंट में दुनिया का अग्रणी देश बना है। वर्तमान समय में डिजिटल तकनीक अब हमारी जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन शिक्षा और सोशल मीडिया, ये सब अब दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन डिजिटल सुविधाओं के साथ साइबर खतरे भी तेजी से बढ़े हैं। हमें जो डिजिटल सुविधा मिलती हैं, वह कभी-कभी चुनौती बन जाती हैं। डिजिटल फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट जैसी कई घटनाएं सामाजिक और आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसी स्थिति में प्रत्येक ऑनलाइन उपयोगकर्ता के लिए जरूरी है कि वे अपने बैंक अकाउंट और सोशल मीडिया का सावधानी से उपयोग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस के सहयोग से चलाए जा रहे साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के लिए अपने संदेश में यह बात कही।

● **साइबर सुरक्षा वर्तमान समय में एक सामाजिक जिम्मेदारी**- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैंक खातों की सुरक्षा के उपाय बताने और ग्राहकों को साइबर अपराधियों से बचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे भारतीय स्टेट बैंक के साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान की सराहना की एवं एसबीआई के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साइबर सुरक्षा वर्तमान समय में सामाजिक जिम्मेदारी बन चुकी है। तकनीक के उपयोग के साथ ही साइबर अपराधियों की सक्रियता भी बढ़ गई है। एसबीआई अपने ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने के साथ उन्हें ऑनलाइन डिजिटल खतरों से भी बचाने का कार्य कर रही है। डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर पर सजग और सतर्क रहना भी जरूरी है।

● **साइबर सुरक्षा के लिए हर नागरिक बने आर्थिक प्रहरी**- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डिजिटल वर्ल्ड में हमारा बैंक खाता, सोशल मीडिया या हमारी पहचान सब प्रभावित हो सकती हैं। इसीलिए प्रत्येक नागरिक के लिए जरूरी है कि वह अपने मोबाइल के स्क्रीन लॉक से लेकर, पासवर्ड की गोपनीयता तक हर स्तर पर सतर्क रहे। उन्होंने कहा कि अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए, तो साइबर सुरक्षा से जुड़ी कई चुनौतियों से बड़ी आसानी से निपटा जा सकता है।

● हमारे तीर्थ, धार्मिक आस्था के साथ देश को एक सूत्र में पिरोए रखने का हैं माध्यम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

तीर्थदर्शन योजना का विस्तार होगा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति में तीर्थ यात्रा का विशेष महत्व है। तीर्थ मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। हमारे तीर्थ, धार्मिक आस्था के साथ देश को एक सूत्र में पिरोए रखने का माध्यम भी हैं। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैनी से बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी का पुण्य अर्जित करने प्रस्थान कर रहे तीर्थ यात्री बधाई के पात्र हैं। उन्हें गंगा स्नान और भगवान विश्वनाथ के दर्शन के साथ संत रविदास और कबीर दास की जन्मस्थली के दर्शन का भी सौभाग्य प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में भगवान श्रीराम के धाम को जो शोभा प्रदान की, उस पर हम सभी को गर्व है।

पर्यटन विभाग के सहयोग से तीर्थदर्शन योजना का किया जाएगा विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के माध्यम से तीर्थ यात्रा का पुनीत अवसर प्राप्त हो रहा है। प्रदेश में वर्ष 2018 से आरंभ तीर्थदर्शन योजना का प्रतिवर्ष का बजट लगभग 50 करोड़ रूपए से अधिक है। तीर्थदर्शन योजना में हवाई यात्रा के माध्यम से भी तीर्थ कराने की व्यवस्था है। पर्यटन विभाग के सहयोग से तीर्थदर्शन योजना का और विस्तार किया जाएगा।

सुप्रभात

हर खुशी हर मलाल तेरा है
लम्हा लम्हा ख़याल तेरा है

तेरे सारे जवाब मेरे हैं
मेरा हर इक सवाल तेरा है

मुझमें कुछ भी नहीं बचा मेरा
और ये भी कमाल तेरा है

प्यार मेरा है पीर मेरी है
मछली तेरी है जाल तेरा है

उँगलियों में धड़क रहा है दिल
मेरे हाथों में गाल तेरा है

मुझमें तुझको निहारते है लोग
मुझमें सारा जमाल तेरा है।

- साक्षी तिवारी

आरक्षण में बदल सकती है 'इनकम' की सीमा

● 'क्रीमी लेयर' पर बड़े ऐक्शन की तैयारी में हैं सरकार

केंद्र ने कहा-ओबीसी वर्ग में निष्पक्षता लाना है उद्देश्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ पाने के लिए क्रीमी लेयर के इनकम की सीमा में एक समानता लाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। मतलब, सभी तरह की सरकारों, सार्वजनिक उपक्रमों, विश्वविद्यालयों या प्राइवेट संस्थानों के लिए ओबीसी की क्रीमी लेयर की आय सीमा एक ही रखने पर मंथन चल रहा है। ऐसा करने का मकसद ये है कि ओबीसी क्रीमी लेयर में यह निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके कि कौन इसके दायरे में आता है और किसे इससे बाहर रखा जाना चाहिए। ऐसा करने से ये होगा कि अलग-अलग संगठनों और संस्थाओं में इस आधार पर भेदभाव नहीं हो सकेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार ओबीसी आरक्षण के तहत क्रीमी लेयर निर्धारित करने के लिए आय की सीमा सभी संस्थाओं के लिए एक समान रखने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। मतलब, ऐसा होने से केंद्र सरकार, राज्य सरकार, पीएसयू, विश्वविद्यालय या अन्य ऐसी संस्थानों के लिए ओबीसी आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए क्रीमी लेयर की आय सीमा एक ही रखी जाएगी। ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर की शुरुआत 1992 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से हुई थी। यह केस इंदिरा साहनी संबंधित था।

प्रधानमंत्री मोदी अगले महीने जा सकते हैं अमेरिका

● रिपोर्ट- यूएन महासभा की बैठक में लेंगे हिस्सा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अमेरिका के दौरे पर जा सकते हैं। वे संयुक्त राष्ट्र महासभा की सालाना बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी का यह दौरा सितंबर के

आखिरी हफ्ते में हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरे का असली मकसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात कर व्यापार और टैरिफ से जुड़े विवाद सुलझाना है। इस दौरान दोनों नेता एक ट्रेड डील का ऐलान भी कर सकते हैं। पीएम में मोदी के भाषण के लिए 26 सितंबर का वक्त तय है।

राजस्थान के दौसा में भीषण हादसा

11 लोगों की मौत

● कंटेनर में घुसी पिकअप, बचने का नहीं मिला कोई मौका ● सभी उत्तरप्रदेश के हैं रहने वाले, खाटूश्याम से लौट रहे थे

दौसा (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप खड़े कंटेनर में घुस गई। एक्सीडेंट में 7 बच्चों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। सभी उत्तर प्रदेश के एटा और फिरोजाबाद के रहने वाले हैं। एक्सीडेंट बुधवार सुबह करीब 3.30 बजे नेशनल हाईवे-148 पर सैंथल थाना के बापी गांव में हुआ।

एटा के जिलाधिकारी प्रेमरंजन सिंह ने बताया कि असरौली (एटा) गांव से करीब 45 श्रद्धालु दो पिकअप में खाटूश्याम गए थे। वापसी में महिलाओं-बच्चों से भरी पिकअप का एक्सीडेंट हो गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि जिस पिकअप का एक्सीडेंट हुआ है उसमें 22 से ज्यादा श्रद्धालु थे। इनमें 10 की मौत दौसा में हुई है। वहीं, एक गंभीर घायल ने जयपुर के हॉस्पिटल में दम तोड़ा है। मृतकों में पूर्वी (3), प्रियंका (25), दक्ष (12), शीला (35), सीमा

(25), अंशु (26) और सौरभ (35) हैं। 4 मृतकों की पहचान नहीं हुई है। हादसे के 4 घायलों को दौसा के जिला अस्पताल में, जबकि गंभीर घायलों को जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती किया गया है।

बस यादों में रह जाएगी 133 साल पुरानी यह कंपनी!

● हर घर से रहा है इसका नाता, अब वजूद बचाना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। फोटोग्राफी कंपनी ईस्टमैन कोडक बंद होने के कगार पर है। 133 साल पुरानी इस कंपनी ने निवेशकों से कहा है कि उसके लिए लंबे समय तक अपना वजूद बचा पाना मुश्किल है। अपनी अर्निंग रिपोर्ट में कंपनी ने कहा कि उसे 50 करोड़ डॉलर का कर्ज देना है लेकिन इसके लिए उसके पास नकदी नहीं है। हालांकि कंपनी का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में लगाए गए टैरिफ से उसके बिजनस पर कोई अगर नहीं होगा। इसकी वजह यह है कि उसके प्रोडक्ट जैसे कैमरे, इंक और फिल्म अमेरिका में ही बनते हैं। मंगलवार को कंपनी के शेयरों में 25 फीसदी से अधिक गिरावट आई। इस कंपनी की स्थापना 1982 में ईस्टमैन कोडक कंपनी के रूप में हुई थी। लेकिन इसका इतिहास 1879 में शुरू हुआ जब जॉर्ज ईस्टमैन को प्लेट कोटिंग मशीन के लिए पेटेंट मिला। साल 1888 में अपना पहला कोडक कैमरा 25 में बेचा।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 35°c न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 14 अगस्त 2025

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

मेरी जान को खतरा है, मैं नहीं आ सकता

● महाराष्ट्र में पुणे की कोर्ट में बोले राहुल गांधी ● कहा-गोडसे के वंशजों से हमें दिलवाएं सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे की एक अदालत में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि उन्हें अपनी जान को खतरा है। यह खतरा उन्होंने सावरकर मानहानि केस को लेकर जताया है। उन्होंने कहा- मेरे खिलाफ मानहानि की शिकायत करने वाले नाथूराम गोडसे के वंशज हैं। राहुल गांधी ने एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट से अपील की है कि उनकी सुरक्षा और केस की निष्पक्ष सुनवाई के लिए प्रिवेंटिव प्रोटेक्शन दी जाए। यह राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी है। कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को करेगी। राहुल गांधी ने कहा- महात्मा गांधी की हत्या एक सोची-समझी साजिश थी और ऐसे पारिवारिक इतिहास को देखते हुए उन्हें नुकसान पहुंचने या गलत तरीके से फंसाए जाने का

खतरा है। उन्होंने हाल के अपने राजनीतिक बयानों का भी जिक्र किया, जैसे संसद में 11 अगस्त को वोट चोर कुर्सी छोड़ का नारा और चुनावी गड़बड़ियों के दस्तावेज पेश करना, जिससे राजनीतिक विरोधियों की नाराजगी बढ़ी है। राहुल ने यह भी कहा था कि सच्चा हिंदू कभी हिंसक नहीं होता, नफरत नहीं फैलाता। बीजेपी नफरत और हिंसा फैलाती है। इस बयान के बाद बीजेपी नेताओं ने उन पर हिंदू समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी की तरफ से वकील मिलिंद पवार ने कोर्ट में बताया कि बीजेपी नेता बिट्टू ने उन्हें आतंकवादी तो दूसरे भाजपा नेता तरविंदर ने खुले तौर पर धमकी दी है कि अगर राहुल ठीक से व्यवहार नहीं करेंगे तो उनका हाल उनकी दादी जैसा हो सकता है।

विपक्ष भी उतारेगा उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

● खड़गे इंडिया ब्लॉक के नेताओं से कर रहे बात, चुनाव 9 सितंबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता उपराष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पर चर्चा के लिए 18 अगस्त को बैठक कर सकते हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इंडिया ब्लॉक के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी और उसी दिन मतगणना भी होगी। उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था।

नीतिश सरकार का स्वच्छ ईंधन के क्षेत्र में बड़ा कदम

अब पीएनजी और सीएनजी से दौड़ेंगे वाहन, प्रदूषण होगा कम

पटना (एजेंसी)। सीएनजी के उपयोग को प्रोत्साहित करने और वाहन जनित प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड के सहयोग से बुधवार को एक दिवसीय राज्य स्तरीय सीएनजी सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वाहन निर्माता कंपनी, सीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी, विभिन्न ऑयल कंपनी, पर्यावरण विशेषज्ञ, संबंधित स्टेकहोल्डर

डिपार्टमेंट के प्रतिनिधियों के साथ ट्रांसपोर्टरों ने भाग लिया। अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के वाहनों को आसानी से सीएनजी उपलब्ध हो इसके लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम सहित अन्य बस स्टैंडों पर भी सीएनजी स्टेशन स्थापित किये जायेंगे। सीएनजी को प्रोत्साहित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा हर संभव सहयोग किया जायेगा। उन्होंने बताया कि घरेलू उपयोगकर्ताओं के बीच पाइप्ड नेचुरल गैस को बढ़ावा देने के लिए एवं वाहनों में सीएनजी के उपयोग के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने की आवश्यकता है। अधिक से अधिक लोग जागरुक हो सकें इसके लिए बिजली विभाग के उपभोक्ता डाटाबेस का उपयोग कर इन प्रचार अभियानों को लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है।

देश भर में बनेंगे वर्ल्ड क्लास स्कूल, शुरू हो गई तैयारी

● शिक्षा को वैश्विक बनाने की तैयारी कर रहा है सीबीएसई ● अगले साल 'ग्लोबल करिकुलम' शुरू करने का है प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) अपनी शिक्षा को ग्लोबल बनाने के लिए तैयारी तेज कर दी है। बोर्ड का इरादा है कि अगले साल वो अपना 'ग्लोबल करिकुलम' शुरू कर दे, इसके लिए तकनीकी मदद लेने के लिए अब एक खास एजेंसी भी चुनी जाएगी। बोर्ड का मानना है कि उसका ग्लोबल करिकुलम मौजूदा इंटरनेशनल बोर्ड का एक मजबूत और किफायती विकल्प होगा। हाल ही में हुई गवर्निंग बॉडी की बैठक में इस प्रोजेक्ट को लॉन्च करने और टेक्निकल सपोर्ट देने के लिए एजेंसी चुनने का प्रस्ताव मंजूर हो चुका है। इस पर करीब 20 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। नया करिकुलम सीबीएसई बोर्ड के भारतीय शिक्षा प्रणाली में सालों के अनुभव पर आधारित होगा। ग्लोबल पैमानों पर बनने वाला यह करिकुलम एनसीईआरटी और इंटरनेशनल बोर्ड के करिकुलम के मानकों के बीच संतुलन बनाएगा। इसका मकसद है कि स्टूडेंट्स को न सिर्फ भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में पढ़ाई और करियर के बेहतर मौके मिलें। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के तहत तैयार किया जा रहा है, ताकि स्टूडेंट्स को पढ़ाई में ज्यादा लचीलापन, अलग-अलग विषयों में विकल्प और ग्लोबल लेवल की पढ़ाई का अनुभव मिल सके। सीबीएसई का ग्लोबल करिकुलम, सीबीएसई के दूसरे देशों में स्थित अपने संबद्ध स्कूलों के लिए प्री क्लास से 8वीं क्लास तक के

स्टूडेंट्स के लिए तैयारी किया जाएगा। इससे दुनियाभर के करीब एक हजार स्कूलों को जोड़ा जाएगा और मेजबान देशों स्थानीय स्टूडेंट्स तक भी सीबीएसई की पहुंच बढ़ेगी। दरअसल, 25 जून को सीबीएसई की 141वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक में पेश किए इस प्रस्ताव के अनुसार सीबीएसई वर्ल्ड लेवल पर फोकस करेगा।

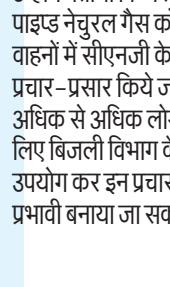

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे डायल 112 का फ्लैग ऑफ

आज कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होगा कार्यक्रम

डायल-100 से डायल-112 -सुरक्षा की नई राह
एक नंबर, कई सेवाएं - डायल-112 का विस्तार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश की नवीन आपातकालीन सेवा डायल 112 का शुभारंभ 14 अगस्त को दोपहर 12:20 बजे कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में करेंगे। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा भी उपस्थित रहेंगे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेडियो/दूरसंचार श्री संजीव शमी ने बताया कि जन-सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक बदलाव लाते हुए, मध्यप्रदेश में डायल-100 की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए डायल-112 को एकीकृत, स्मार्ट और बहु-एजेंसी आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा के रूप में स्थापित किया जा रहा है। बढ़ती आवश्यकताओं और बहु-एजेंसी समन्वय को देखते हुए, डायल-112 सेवा शुरू की जा रही है। अब पुलिस (100), स्वास्थ्य/एम्बुलेंस (108), अग्निशमन (101), महिला हेल्पलाइन (1090), साइबर क्राइम (1930), रेल मदद (139), हाईवे एक्सिडेंट रिस्पॉन्स (1099), प्राकृतिक आपदा (1079) और महिला एवं चाइल्ड हेल्पलाइन (181, 1098) जैसी सभी सेवाएं एक ही नंबर 112 से उपलब्ध होंगी।

तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य और सेवा गुणवत्ता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, डायल-112 को

अधिक कुशल, बुद्धिमान और नागरिक-जागरूक प्रणाली के रूप में पुनः डिज़ाइन किया गया है। नई तकनीकों—डेटा एनालिटिक्स, रीयल-टाइम लोकेशन ट्रैकिंग और IoT के साथ डायल-112 अब सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि खतरे का पूर्वानुमान कर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सक्षम है।

श्री बांके बिहारी मंदिर अध्यादेश को मिल गई मंजूरी

● उत्तरप्रदेश विधानसभा ने पास किया मंदिर अध्यादेश ● यूपी सरकार को चढ़ावा, संपत्ति और प्रशासन का हक

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन श्री बांके बिहारी मंदिर निर्माण आर्डिनेंस को मंजूरी मिल गई। सदन में बुधवार सुबह 11 बजे विकसित भारत, विकसित यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर लगातार 24 घंटे की चर्चा शुरू हुई। इसमें सरकार विभागवार उपलब्धियां और विजन रख रही है जबकि विपक्ष के सवालों का दौर भी जारी है। इस बीच सत्र में बांके बिहारी कॉरिडोर आर्डिनेंस विधेयक भी पास हो गया। सुबह सरकार की तरफ से मथुरा स्थित विश्वप्रसिद्ध श्री बांके बिहारी जी मंदिर के संचालन, संरक्षण और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ' श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश , 2025'

विधानसभा के पटल पर रखा गया। सरकार ने कहा कि यह अध्यादेश परंपरागत पूजा-पद्धति और धार्मिक मान्यताओं को बिना छुए, प्रबंधन, सुरक्षा और सेवा-सुविधाओं को आधुनिक स्वरूप देने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस अध्यादेश के लागू होने से श्री बांके बिहारी जी मंदिर न केवल अपनी प्राचीन आध्यात्मिक परंपराओं को बनाए रखेगा, बल्कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और आधुनिक अनुभव भी प्रदान करेगा। अध्यादेश स्पष्ट करता है कि मंदिर के चढ़ावे, दान और सभी चल-अचल संपत्तियों पर न्यास का अधिकार होगा। इसमें मंदिर में स्थापित मूर्तियां, मंदिर परिसर और प्रसीमा के भीतर देवताओं के लिए दी गई भेंट/उपहार, किसी भी पूजा-सेवा-कर्मकांड-समारोह-धार्मिक अनुष्ठान के समर्थन में दी गई संपत्ति, नकद या वस्तु रूपी अर्पण, तथा मंदिर परिसर के उपयोग के लिए डाक/तार से भेजे गए बैंक ड्राफ्ट और चेक तक शामिल हैं। मंदिर की संपत्तियों में आभूषण, अनुदान, योगदान, हुंडी संग्रह सहित सभी चल एवं अचल संपत्तियां सम्मिलित मानी जाएंगी।

मंदिर न्यास में सिर्फ हिंदू ही होंगे सदस्य

न्यास का संचालन 18 सदस्यीय न्यासी बोर्ड करेगा। इसमें 11 मनोनीत सदस्य होंगे, जिनमें 3 वैष्णव परंपरा से, 3 अन्य सनातन परंपराओं से, 3 विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति, 2 गोस्वामी परंपरा से (राज-भोग व शयन-भोग सेवायत) होंगे। इसके अतिरिक्त 7 पदेन सदस्य होंगे, जिनमें जिलाधिकारी मथुरा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ, धर्मार्थ कार्य विभाग का एक अधिकारी, श्री बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के सीईओ और राज्य सरकार द्वारा नामित एक सदस्य सम्मिलित होंगे। मनोनीत न्यासियों का कार्यकाल 3 वर्ष होगा, पुनर्नियुक्ति अधिकतम दो बार हो सकेगी।

आज एक मंच पर नजर आएंगे शिंदे और आदित्य

बीच में रहेंगे देवेंद्र फडणवीस! महाराष्ट्र में तेज हैं कयास

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में बीते तीन सालों में एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के गुटों में नदी के दो पाटों जैसा विभाजन है। एकनाथ शिंदे ने 2022 में शिवसेना से बगावत की थी और तब से अब तक उद्धव ठाकरे गुट से उनके रिश्तों में कोई सुधार या मधुरता नहीं दिखी है। इस बीच चर्चाएं

तेज हैं कि क्या एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य एक मंच पर नजर आएंगे। दरअसल कल 14 अगस्त को मुंबई के वर्ली में बीडीडी चॉल पुनर्विकास योजना के पहले चरण के तहत 556 लाभार्थियों को घर की चाबियां दी जानी हैं। इस आयोजन में सीएम देवेंद्र फडणवीस रहेंगे। इसके अलावा डिप्टी सीएम के तौर पर एकनाथ शिंदे की भी मौजूदगी रहेगी। वर्ली से आदित्य ठाकरे विधायक हैं और प्रोटोकॉल के तहत उन्हें भी इस कार्यक्रम का न्योता दिया गया है। इसी के चलते कयास लग रहे हैं कि क्या आदित्य ठाकरे और एकनाथ शिंदे एक मंच पर आएंगे। यदि आए तो यह बीते बीते कुछ सालों में महाराष्ट्र की राजनीति की सबसे दुर्लभ तस्वीर होगी, जब शिवसेना के दोनों गुटों के नेता एक साथ दिखेंगे। यह कार्यक्रम म्हाडा द्वारा माटुंगा स्थित यशवंत नाट्य मंदिर में रखा गया है। आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उपस्थित रहेंगे।

पहले 7 पेपर थे, अब तो 11 में कोई 1 मांग रहे

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार एसआईआर को माना वोटर फ्रेंडली

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में चल रहे चुनाव आयोग के वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता हितैषी बताया है। वोटर लिस्ट रिवीजन के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने बुधवार को यह टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि पूर्व में हुए संक्षिप्त पुनरीक्षण में 7 दस्तावेज मान्य थे, मगर अभी के विशेष गहन पुनरीक्षण में 11 दस्तावेजों का विकल्प मतदाताओं को दिया गया है। इससे लगता है कि यह मतदाता के हित में है। सुप्रीम कोर्ट में 24 जून के फैसले के चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है।

याचिकाकर्ताओं ने एसआईआर में चुनाव आयोग द्वारा आधार कार्ड को स्वीकार नहीं करने पर सवाल उठाए हैं। इस पर टिप्पणी करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आयोग ने आधार के अलावा भी बड़ी संख्या में दस्तावेज का विकल्प दिया है, जो समावेशी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि मतदाताओं को लिस्ट में शामिल 11 दस्तावेजों में से कोई एक जमा करना अनिवार्य है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने इससे असहमति जताई और कहा कि दस्तावेजों की संख्या भले ही ज्यादा हो, लेकिन कवरेज कम है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत बना शक्तिशाली राष्ट्र, अब सहन नहीं होगा अन्याय : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री इंदौर में 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान की यात्रा में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरा है। अब अन्याय सहन नहीं किया जाएगा। हमारी जांबाज सेना ने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देकर भारत की शक्ति का परिचय कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार इंदौर में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान की

विशाल यात्रा में शामिल हुए। पूरा शहर राष्ट्र की आन-बान-शान तिरंगे के रंग में रंग गया। देशभक्ति के जोश और जुनून का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। शहर देशभक्ति गीतों और वंदे मातरम तथा भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया, जिसमें हजारों नागरिक सहभागी बने। समाज के हर वर्ग, हर जाति, हर धर्म के लोग जोश और जुनून के साथ शामिल हुए। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायकगण श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री महेंद्र हार्डिया, श्री मनोज पटेल, श्री मधु वर्मा, पूर्व विधायक श्री जीतू जिराती तथा श्री सुदर्शन गुप्ता, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया, श्री सुमित मिश्रा तथा श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी साथ थे।

स्वतंत्रता दिवस पर मीट की दुकानें बैन करने पर विवाद

● ओवैसी की नाराजगी, कहा- इसका नॉनवेज का क्या रिश्ता

आदित्य ठाकरे बोले- हम नवरात्रि में भी नॉनवेज खाते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बाद तेलंगाना में भी 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस पर मीट की दुकानें और बूचड़खाने बंद रखने के आदेश विवाद बढ़ गया। पिछले तीन दिन में ओल्ड हैदराबाद सिटी की नगर निगम के अलावा, ठाणे जिले के कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, छत्रपति शिवाजी नगर पालिका प्रशासन ने ऐसे आदेश दिए। मीट बैन के फैसले पर शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने नाराजगी जताई है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा- यह धर्म का मामला नहीं है और न ही यह राष्ट्रीय हित का मामला है। एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को ओल्ड हैदराबाद

सिटी के आदेश को असंवैधानिक बताया। कहा कि गोश्त खाने से 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस का क्या लेना-देना है। इस फैसले के खिलाफ महाराष्ट्र में भी विरोध हो रहा है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे और उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने भी ऐसे फैसले को गलत बताया है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, गोश्त खाने और स्वतंत्रता दिवस में क्या रिश्ता है। तेलंगाना में 99 प्रतिशत लोग गोश्त खाते हैं। ओवैसी ने इस फैसले को गलत बताया है।

रिटायर्ड जस्टिस के बंगले में हथियार लेकर आए नकाबपोशों ने चोरी की

किसी की नींद नहीं खुली, वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद

इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र स्थित प्रगति पार्क कॉलोनी में चोरी की सनसनीखेज वारदात हुई। रिटायर्ड जस्टिस रमेश गर्ग के बंगले में तीन नकाबपोश बदमाश घुस आए और उनके कारोबारी बेटे के कमरे से सोने-चाँदी के आभूषण व नकदी चुराकर ले गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि घटना के समय कारोबारी बेटा कमरे में ही सो रहा था। एक बदमाश उसके सिरहाने लोहे की रॉड (लठ) ताने खड़ा रहा, ताकि नींद खुलने पर तुरंत हमला कर सके। चोरी की यह वारदात कमरे में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में साफ दिख रहा है कि दो बदमाश अलमारी खंगाल रहे थे,जबकि तीसरा दरवाजे के पास पहरा दे रहा था। कमरे में सायरन भी बजने लगा, लेकिन कारोबारी की नींद नहीं खुली। वारदात के बाद बदमाश दीवार फांदकर फरार हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फिंगरप्रिंट व अन्य साक्ष्य जुटाए हैं। खुड़ैल थाना पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। आशंका है कि बदमाशों ने पहले से रेकी की थी। उन्हें घर की संरचना व अंदरूनी व्यवस्था की पूरी जानकारी थी। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे कैमरों की भी जांच कर रही है। इस घटना के बाद कॉलोनी वासियों में भय का माहौल है। उन्होंने पुलिस गश्त बढ़ाने और रात में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

दिव्यांग बालिका को तत्काल पात्रता पर्ची

इंदौर। जनसुनवाई में मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने एक दिव्यांग बालिका की समस्या का हाथों-हाथ समाधान कर संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय दिया। मल्हार पलटन निवासी यामिनी बी अपने परिवार के लिए राशन पात्रता पर्ची की मांग लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। छह सदस्यीय परिवार को दिव्यांगता के कारण लंबे समय से राशन प्राप्त करने में कठिनाई हो रही थी। सामान्यतः आधार कार्ड और दिव्यांगता प्रमाण पत्र की कमी से प्रक्रिया में समय लगता,लेकिन मामले की गंभीरता देखते हुए कलेक्टर ने जिला आपूर्ति नियंत्रक को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही खाद्य विभाग की टीम ने आवश्यक दस्तावेज मंगवाकर मात्र एक घंटे में पात्रता पर्ची स्वीकृत कर दी। इस त्वरित कार्रवाई से यामिनी बी का परिवार आगामी 1 सितंबर से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत नियमित रूप से राशन का लाभ ले सकेगा। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे,यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में शीघ्र और संवेदनशील कार्यवाही जारी रहेगी।

मां को लेकर जा रही छात्रा से छेड़छाड़

इंदौर। मां के साथ क्लिनिक जा रही छात्रा से मनचले ने छेड़छाड़ की। यहां तक की रास्ते में उसका हाथ पकड़ लिया, जब विरोध किया तो मारपीट की। मामले में बाणगंगा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, छात्रा उसकी मां को लेकर शिवकंठ नगर इलाके में डॉक्टर के क्लिनिक पर जा रही थी। तभी रास्ते में गौरव आया, उसने रास्ता रोकते हुए हाथ पकड़ा और कहा कि वह बात क्यों नहीं करती। इसके बाद गौरव धमकी देने लगा। छात्रा की मां ने रोकने की कोशिश की, तो आरोपी ने उससे भी हुज्जत की। बाद में छात्रा ने अपने पिता को कॉल कर मौके पर बुलाया। छात्रा के पिता ने गौरव से बात करनी चाही, लेकिन पहले उसने अपशब्द कहे और फिर हाथापाई करने लगा। घटनास्थल पर मौजूद लोग इकट्ठा होने लगे तो गौरव मौके से भाग गया। छात्रा रात को परिजनों के साथ बाणगंगा थाने पहुंची और गौरव चौहान के खिलाफ शिकायत की। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मोबाइल, नकदी लूटने वाले बदमाश पकड़ाए

इंदौर। दो माह पहले खुड़ैल थाना क्षेत्र से चुराई बाइक से मोबाइल और नकदी लूटकर भागे बदमाशों को पुलिस ने दबोच लिया है। डीएसपी देहात उमाकांत चौधरी ने बताया कि 10 अगस्त की रात ग्राम पेडमी में तीन बदमाशों ने चाकू दिखाकर फरियादी का मोबाइल और रुपए लूट लिए। मामले में पुलिस ने टीम गठित कर घटनास्थल के आसपास क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। सूचना पर बदमाश वसीम उर्फ लाला उर्फ गाडर उर्फ रिजवान पिता साजिद गौरी निवासी सागर पैलेस सिरपुर धार रोड, मोहसिन पिता शकील मोहम्मद निवासी खजराना और जावेद पिता नुर खां निवासी अशरफी नगर खजराना को गिरफ्तार किया। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल भी जब्त की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उक्त बाइक दो माह पूर्व मुहाडा घाट कम्पेल क्षेत्र से चोरी की थी। बदमाशों से लूट एवं झपटमारी के मोबाइल और दो चाकू भी बरामद किए हैं।

हाउस बुकिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह को अशोक कुमार त्यागी ने लिखित शिकायत सौंपी है, जिसमें रॉयल विक्रम बिल्डर के डायरेक्टर हितेंद्र सिंह परमार पर गंभीर धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं। कलेक्टर ने मामले को कानूनी सेल को जांच के लिए भेज दिया है। पीड़ित अशोक कुमार त्यागी का आरोप है कि दीप चित्रा पार्क टाउनशिप में हाउस बुकिंग के नाम पर उनसे लाखों रुपये लिए गए, लेकिन अब तक मकान का कब्जा नहीं दिया गया। उनका कहना है कि एग्रीमेंट में जिस जमीन का उल्लेख है, उसका स्वामित्व भी हितेंद्र सिंह परमार के पास नहीं है। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्जकर ली है। आरोपियों पर धारा 420 (धोखाधड़ी) और 209 के तहत केस दर्ज किया गया है। इंदौर कॉलोनी सेल की एसडीएम रोशनी ने बताया कि जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई है और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीओपी की मूर्तियों का निर्माण और विक्रय का सख्ती से पालन प्रारंभ

इंदौर। जिले में कलेक्टर द्वारा पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनने वाली मूर्तियों के विक्रय और निर्माण पर प्रतिबंध लगाया है। इस प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराना प्रारंभ कर दिया गया। प्रतिबंध के बावजूद इनके निर्माण व बिक्री की सूचना पर जिला प्रशासन के अमले ने सख्त कार्रवाई की। मल्हारगंज एसडीएम निधि वर्मा के नेतृत्व में बाणगंगा क्षेत्र मेंकार्रवाई करते हुए दो मूर्ति निर्माताओं से 130 से अधिक बड़ी गणेश प्रतिमाएं और करीब 700 से अधिक छोटी प्रतिमाएं जब्त की गईं। एसडीएम वर्मा ने बताया कि यह कार्रवाई मुख्य रूप से बाणगंगा क्षेत्र में मूर्ति निर्माता विनोद पिता गुलाबचंद के यहां की गई। इसी तरह की कार्रवाई खेमकरण चितले और मनीष प्रजापति के विरूद्ध भी की गई है। इनके गोडाउन सील कर दिए। मूर्ति निर्माता विनोद से लगभग 130 बड़ी और 700 छोटी मूर्तियां गोडाउन में सील की गई। शेष मूर्तियां फैक्ट्री में निर्माण कर्ताओं में इस निर्देश के साथ दी गईं कि वे इनका विक्रय या किसी को उपयोग के लिये नहीं देंगे। इसी तरह की कार्रवाई डिस्ट्रीब्यूटर खेमकरण चितले और मूर्ति निर्माता मनीष प्रजापति के यहां भी की गई। मनीष प्रजापति के यहां अधिकांश मूर्तियां मिट्टी की पायी गई। केवल लगभग 10 से 15 मूर्तियां पीओपी की पाई गई। इन्हें विक्रय या किसी को उपयोग के लिये नहीं देने के निर्देश देते हुए कब्जे में दिया गया। इसी के साथ डिस्ट्रीब्यूटर खेमकरण चितले के गोडाउन में लगभग 50 मूर्तियां पीओपी की पायी गई। यह गोडाउन भी सील किया गया। कलेक्टर ने कहा कि पीओपी मूर्तियां पानी में आसानी से नहीं घुलतीं और उनमें प्रयुक्त रसायन हानिकारक होते हैं। इस कारण नदियों, तालाबों और अन्य जल स्त्रोतों में प्रदूषण बढ़ता है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिले में पी.ओ.पी. मूर्तियों का निर्माण, भंडारण और विक्रय पूरी तरह प्रतिबंधित है और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मिट्टी की पारंपरिक प्रतिमाएं पर्यावरण के लिए सुरक्षित हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि आगामी गणेशोत्सव में केवल पर्यावरण अनुकूल मूर्तियों का ही उपयोग करें।

इंदौर के 'मुस्कान' संकुल संगठन का स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली में सम्मान

इंदौर को मिली राष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि

इंदौर। जिले को एक और राष्ट्रीय स्तर का गौरव प्राप्त हुआ है। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूहों के परिसंघ 'मुस्कान' संकुल स्तरीय संगठन को भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी समारोह में 5 वर्ष से कम आयु वर्ग श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान 15 अगस्त को नई दिल्ली में प्रदान किया जाएगा। इंदौर विकासखंड के 26 ग्रामों की 3768 महिलाओं ने आर्थिक सुदृढ़ता के लिए छोटे-छोटे स्व-सहायता समूह बनाकर कार्य प्रारंभ किया था।

इन समूहों के संगठनात्मक प्रयासों ने वृहद रूप लेकर 'मुस्कान' संकुल स्तरीय संगठन का गठन किया, जो अपने अधीनस्थ समूहों को वित्तीय एवं अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान करता है। जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन ने बताया कि वर्ष 2019 में गठित इस संकुल के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में कुल 332 समूह संचालित हैं। इन समूहों की महिलाएं विविध आजीविका गतिविधियों के माध्यम से स्वयं और अपने परिवारों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने हेतु सतत प्रयासरत हैं। भारत सरकार द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित 5 वर्ष से कम अवधि वाले समूहों का मूल्यांकन विभिन्न मापदंडों पर किया गया।

इंदौर जिले का 'मुस्कान' संकुल इन मापदंडों पर सर्वोच्च प्रदर्शन कर प्रथम स्थान पर रहा। यह पुरस्कार संकुल की अध्यक्ष अनीता परिहार एवं उपाध्यक्ष सीमा चौकसे सभी सदस्य महिलाओं की ओर से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के करकमलों से प्राप्त करेंगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने 'मुस्कान' संकुल संगठन की सभी महिलाओं को इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सरकारी कॉलेज में तोड़फोड़, छात्रों पर एफआईआर दर्ज

प्रिंसिपल ऑफिस का दरवाजा तोड़ा, टेबल पर घास

इंदौर। अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में मंगलवार को एनएसयूआई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। छात्र नेता अमन पटवारी के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने महिला प्रिंसिपल डॉ.ममता चंद्रशेखर के कार्यालय का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और टेबल-कुर्सियों पर जंगली घास बिखेर दी। भंवरकुआं थाना प्रभारी राजकुमार यादव ने बताया कि घटना का वीडियो वायरल होने के बाद कॉलेज कर्मचारी की शिकायत पर अमन पटवारी और अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ अतिक्रमण, सरकारी कार्य में बाधा, कर्मचारियों से दुर्व्यवहार और तोड़फोड़ के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज भी मांगे गए हैं। प्रिंसिपल डॉ ममता चंद्रशेखर ने इस घटना को 'शिक्षा के मंदिर की पवित्रता पर कलंक' बताया। उन्होंने कहा कि वे उस समय कॉलेज में नहीं थीं, लेकिन लौटने पर देखा कि कुर्सी और ऑफिस में हर जगह घास फैली थी। संकाय सदस्यों ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की,लेकिन उनके साथ भी दुर्व्यवहार हुआ। उधर, अमन पटवारी का कहना है कि वे कॉलेज परिसर से जंगली घास और कचरा हटाने की मांग कर रहे थे। हमने खुद घास उखाड़ी और प्रिंसिपल को सौंपना चाहा, लेकिन उन्होंने ऑफिस बंद कर लिया। एसीपी विजय चौधरी ने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'डीजीपी' के आदेश का इंदौर में पालन, देवास में साफ अवहेलना

देवास में पदस्थ हैं विभागीय जांच वाले 14 पुलिसकर्मी

इंदौर। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के आदेश का इंदौर में कड़ाई से पालन हुआ है। यहां विभागीय जांच वाले एक भी पुलिसकर्मियों को रोका नहीं गया, सभी को जिले से बाहर कर दिया गया है। जबकि, देवास में खुला उल्लंघन किया गया। देवास जिले के थानों में अब भी 14 पुलिसकर्मी विभिन्न थाने पर डटे हैं, जिन्हें हटा पाने में वरिष्ठ अधिकारी भी लाचार हैं।

डीजीपी ने आपराधिक प्रकरणों एवं विभागीय जांच में संलिप्त पुलिस अधिकारियों को हटाने के निर्देश 17 जून को जारी किया था। इस आदेश के तहत देवास के पुलिस अधीक्षक ने 3 जुलाई को 14 पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरित कर उन्हें रक्षित केंद्र में पदस्थ करने के आदेश जारी किए गए थे। इसको लेकर मीडियाकर्मी दुर्गेश पवार ने डीजीपी को शिकायती आवेदन भेजते हुए आरोप लगाया है कि स्थानांतरण आदेश के बावजूद इन अधिकारियों को रक्षित केंद्र के लिए रिलीव नहीं किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि इससे पुलिस मुख्यालय और एसपी के आदेशों की अवहेलना हो रही है।

कहां कौन पदस्थ

शिकायत में कहा गया है कि इससे पुलिस मुख्यालय भोपाल और एसपी कार्यालय देवास दोनों के आदेशों की अवहेलना हो रही है। उन्होंने बताया कि कोतवाली थाना देवास में थाना प्रभारी श्यामचंद्र शर्मा, सतवास में थाना प्रभारी बीडी बीरा, कमलापुर में प्रधान आरक्षक बल सिंह सहित अन्य जगह पर भी कुछ पुलिसकर्मी तबादला होने के बाद भी जमे हुए हैं।

स्पेशल टास्क पर लगाए गए

इस मामले में देवास पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने बताया कि जो आदेश हमने जारी किए हैं, उसके अंतर्गत अधिकतर अधिकारियों को नई पदस्थापना स्थल पर भेजा गया है। कुछ अधिकारी जो अब भी थानों पर कार्यरत हैं, उन्हें स्पेशल टास्क पर रखा गया। ला एंड ऑर्डर की स्थिति को देखते हुए उन्हें वर्तमान स्थान पर कुछ आवश्यक कार्य सौंपे गए हैं। एसपी गेहलोद ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में नियमों के अंतर्गत ही सभी कार्रवाई की जा रही है। इंदौर पुलिस के प्रवक्ता (एडीसीपी, क्राइम) राजेश दंडोतिया इंदौर शहर के किसी भी थाने पर विभागीय जांच में लिप्त पुलिसकर्मी पदस्थ नहीं है। सभी का स्थानांतरण कर दिया है।

इंदौर में एड्स जागरूकता और तिरंगा यात्रा का संगम

वाहन रैली में दिखा स्वास्थ्य का संदेश और उत्साह

इंदौर। मध्य प्रदेश एड्स नियंत्रण संगठन के दो माह लंबे जागरूकता अभियान की शुरुआत मंगलवार को इंदौर से हुई। इसकी शुरुआत एक अनोखी दोपहिया वाहन रैली से हुई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि और आम नागरिक उत्साह के साथ शामिल हुए। रैली बड़ा गणपति चौराहे से शुरू होकर गांधी हाल तक निकाली गई। डॉ. माधव हसानी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य शहरवासियों में एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित जीवनशैली अपनाने का संदेश देना है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगे के साथ यह रैली देशभक्ति और स्वास्थ्य जागरूकता का अनोखा संगम बनी। रैली में प्रतिभागियों ने नारों और बैनरों के जरिए एड्स से बचाव, जांच और समय पर उपचार के महत्व को रेखांकित किया। आयोजन ने न केवल लोगों में रोग के प्रति सतर्कता बढ़ाई, बल्कि आज़ादी के अमृत महोत्सव की भावना को भी जीवंत कर दिया।

नियमों की अनदेखी भी- कार्यक्रम की सफलता के बीच यातायात नियमों की अनदेखी भी नजर आई।

जनसुनवाई में त्वरित समाधान से प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास

शिक्षा,रोजगार और इलाज के मामलों में तत्काल राहत

इंदौर। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष सिंह ने संवेदनशीलता और तत्परता के साथ नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया। कई प्रकरणों का निपटारा मौके पर ही किया गया, जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ। एक दिव्यांग छात्रा को उच्च शिक्षा के लिए लैपटॉप स्वीकृत किया गया,जबकि बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए। गंभीर बीमारी से पीड़ित जरूरतमंदों को तत्काल उपचार के लिए आर्थिक सहायता दी गई। निजी टेक्सटाइल कंपनी के कर्मचारियों ने बढ़ा हुआ वेतन न मिलने की शिकायत की,जिस पर कलेक्टर ने संबंधित एसडीएम को तत्काल कार्रवाई कर वेतन दिलाने के निर्देश दिए। एक अन्य आवेदन ने मकान गिरवी रखे जाने के बावजूद भुगतान न होने की शिकायत की, जिसके निराकरण के लिए भी आदेश जारी हुए।

कुछ आवेदक पीएम आवास योजना का लाभ न मिलने की शिकायत लेकर आए,जिन्हें पात्रतानुसार पीएम आवास 2.0 योजना में शामिल करने के निर्देश दिए गए। वहीं,एक महिला ने अपने बच्चे की स्कूल फीस न भर पाने की समस्या बताई,जिस पर कलेक्टर ने फीस भरने की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। सभा कक्ष में अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे और बड़ी संख्या में आए आवेदकों की समस्याओं को सुना व हल किया।

मालवा मिल ब्रिज के कारण नाराज दुकानदार चाबी सौंपने निगम पहुंचे

सितम्बर तक पूरा होगा पुल, मामला युवक की मौत का

इंदौर। मालवा मिल के निमार्णाधीन पुल में गिरने से रविवार को पीथमपुर में रहने वाले युवक की मौत हो गई थी। इसके विरोध में आक्रोशित दुकानदार निगम की जनसुनवाईमें पहुंचे और जमकर भड़ास निकाली। जनसुनवाई में मौजूद अधिकारियों को दुकानदार चाबी सौंपने लगे, लेकिन अधिकारियों ने चाबी नहीं ली और कहा कि सितम्बर तक पुल का काम पूरा कर लिया जाएगा। दुकानदारों का यह भी कहना था कि पुल निर्माण में विलंब होने से उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है। आश्वासन मिलने के बाद दुकानदार निगम से लौटे। व्यापारी मनोज सोमवंशी ने कहा कि अब तक ब्रिज का निर्माण पूरा होना था, लेकिन आधा भी नहीं बन पाया है। ब्रिज बनने के कारण मार्ग का ट्रैफिक बंद है। हमारी ग्राहकी भी नहीं हो पा रही है। दीपावली, रक्षाबंधन जैसे पर्व के समय व्यापारी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। मार्ग बंद होने से ग्राहक ही नहीं आ पा रहे है।

दो किलोमीटर दूर से रास्ता - रविवार रात दोपहिया वाहन चालक नाले में गिरकर घायल हो गया। लोगों ने उसे नाले से निकाला और अस्पताल पहुंचाया। ब्रिज के आसपास बेरिकेड भी नहीं लगाए गए थे। इस कारण यह हादसा हुआ। इस नाले के पास लगे पाइपों से रोज लोग जान को ताक पर रखकर निकलते है। दरअसल ब्रिज के समीप कोई डायवर्सन तैयार नहीं किया गया। वाहन चालकों को दो किलोमीटर घूम कर निकलना पड़ता है।

बेरिकेड की जगह मिट्टी के ढेर

नगर निगम पुराने ब्रिज को तोड़कर नया ब्रिज बना रहा है। नाले के दोनों तरफ ठेकेदार ने बेरिकेड लगाने के बजाए मिट्टी के बड़े ढेर लगा दिए। ठेकेदार का कहना था कि पहले शेड भी लगाए थे, लेकिन वे चोरी हो गए। इस कारण मिट्टी के ढेर लगाकर रास्ता रोका गया था। विकास कार्यों के दौरान खुदाई वाले स्थान पर बेरीकेडिंग नहीं होने से कई बार हादसे हो चुके हैं। हर बार निगम हादसे पर अफसोस जाहिर कर जांच की बात करता है,ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप मढ़कर खुद जिम्मेदारी से बच जाता है। जबकि, होना यह चाहिए कि जिस विभाग प्रमुख के पास स्ट्रीट लाइट दुरुस्त करने का जिम्मा था, उसके खिलाफ एफआईआर कराना चाहिए।

सीएम राइज स्कूल की बस सेवा ठप, बच्चों की मुश्किल बढ़ गई

टेंडर निरस्त, ठेकेदार जेल में, बस ऑनर्स ने ज्ञापन दिया

इंदौर। संभाग के 11 सीएम राइज स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों छात्रों की बस सेवा पिछले दो महीने से ठप है। इससे बच्चों और अभिभावकों की परेशानी बढ़ गई है। कई अभिभावकों ने बस सुविधा देखकर ही प्राइवेट स्कूलों से बच्चों का एडमिशन सीएम राइज में कराया था, लेकिन अब उन्हें रोजाना निजी साधनों या पैदल स्कूल पहुंचाना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, बस संचालन का टेंडर समाया ग्रुप के समीर खान को मिला था, लेकिन उनके देवास जेल जाने के बाद टेंडर निरस्त कर दिया गया। नई व्यवस्था शुरू न होने से पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। मंगलवार को बस ऑनर संगठन के सदस्य कलेक्टर आशीष सिंह को ज्ञापन सौंपने पहुंचे और बस सेवा तुरंत बहाल करने व नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। बस ऑनर अक्षत सिंह ने बताया कि टेंडर में 100 बसें लगाने का प्रावधान था,लेकिन हकीकत में केवल 40-42 बसें ही चलीं। कमी के कारण कई छात्र लंबी दूरी पैदल तय करने को मजबूर हुए,जिससे अभिभावकों में नाराजगी है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले बच्चों की उपस्थिति में भी गिरावट दर्ज की गई। कलेक्टर आशीष सिंह ने आश्वासन दिया कि बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए बस सेवा बहाली के लिए जल्द ठोस कदम उठाए जाएंगे।

संपादकीय

क्या इंसानी जान की कीमत नहीं है?

देश की राजधानी दिल्ली में आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उन्हें शेल्टर होम भेजने के फैसले पर जारी विवाद के बाद सीजेआई आर.बी. गवई ने इस फैसले पर पुनर्विचार का आश्वासन दिया है। लेकिन सवाल यह है कि आवारा कुत्तों के साथ मानवीय व्यवहार की पैरवी की जा रही है, लेकिन ऐसे कुत्तों द्वारा काटे जाने पर निरापराध लोगों की जान जा रही है, उसका क्या? क्या उनकी जान की कीमत कुत्तों से भी कम है? गौरतलब है कि जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर. महादेवन की बेंच ने 11 अगस्त को एक आदेश दिया था। इस आदेश में दिल्ली सरकार,एमसीडी और एनएमडीसी को दिल्ली के सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने और उन्हें शेल्टर में भेजने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने कहा था कि सभी इलाके आवारा कुत्तों से मुक्त होने चाहिए और इसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने कहा था कि आवारा कुत्तों को हटाने में बाधा डालने वाले एनिमल एक्टिविस्टों के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई की जाए तथा दिल्ली सरकार, एमसीडी, एनएमडीसी 8 सप्ताह के भीतर कुत्तों के लिए आश्रय घर बनाए। पकड़े गए कुत्तों का दैनिक रिकॉर्ड रखा जाए तथा एक भी आवारा कुत्ते को रिहा नहीं किया जाए। डॉग बाइट की रिपोर्ट कराने के लिए हेल्प लाइन एक सप्ताह के भीतर बनाएं। लोगों को रेबीज टीके कहां उपलब्ध हैं, इसकी जानकारी दी जाए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ एक वकील ने आपत्ति लगाई थी। वकील ने कोर्ट को बताया कि पहले भी अदालत का एक फैसला आ चुका है। उस फैसले में कहा गया था कि कुत्तों को अंधाधुंध तरीके से नहीं मारा जा सकता। यह सुनकर चीफ जस्टिस ने फैसले पर पुनर्विचार का आश्वासन दिया। विडंबना यह है कि देश में आबादी के साथ आवारा कुत्तों की आबादी भी तेजी से बढ़ रही है। उपलब्धि जानकारी के अनुसार देश में 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते हैं, जो शहरों गांवों में रहते हैं और डर अथवा भोजन की तलाश में मनुष्यों को काटते हैं। अगर सही समय पर इलाज न हुआ तो आदमी भयंकर रेबीज रोग से पीड़ित होकर हाइड्रोफोबिया का शिकार हो जाता है और अंततः पागल होकर दम तोड़ देता है। 2024 में देश भर आवारा कुत्तों के काटने से 20 हजार से अधिक मौतें हुईं। जो हाल दिल्ली का है, तकरीबन वही मध्यप्रदेश का भी है। यह 2024 में डॉग बाइट के सवा लाख से ज्यादा मामले दर्ज हुए। ज्यादातर मामलों में मरीज को खुद ही इलाज कराना होता है। सरकारी अस्पतालों का हाल ये है कि वहां एंटी रेबीज इंजेक्शन कम ही उपलब्ध होता है। यह इंजेक्शन समय पर नहीं लगे तो मरीज की मौत तय है। कोर्ट के फैसले की कई राजनेताओं और पैट लवर्स ने भी कड़ी आलोचना करते हुए उसे अव्यावहारिक बताया है। सवाल उठा कि दिल्ली के करीब तीन लाख आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम कहां से लाएंगे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि ये दशकों से चली आ रही मानवीय और साइंटिफिक पॉलिसी से पीछे ले जाने वाला कदम है। ये बेजुबान पशु कोई 'समस्या' नहीं हैं, जिन्हें हटाया जाए। प्रियंका गांधी ने कहा कि आवारा कुत्तों को कुछ ही हफ्तों में शेल्टर होम भेजने का फैसला उनके साथ बेहद अमानवीय व्यवहार होगा। पशु अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी ने कहा कि दिल्ली में तीन लाख आवारा कुत्ते हैं। उन सभी को पकड़कर शेल्टर होम भिजवाने के लिए 2 हजार शेल्टर होम बनाने होंगे। क्योंकि ज्यादा कुत्तों को एक साथ नहीं रखा जा सकता। बेशक, सभी जीवों के प्रति दया भाव होना चाहिए, लेकिन यह मनुष्यों की मौत की कीमत हो तो मंजूर नहीं है।

पशुबल का कायल होता समाज

यूरोप ने यह राजनीतिक नैतिकता द्वितीय विश्वयुद्ध में लाखों लोगों को मारकर हासिल की थी। उपनिवेशवाद विरोधी संघर्षों ने यूरोप को बहुत कुछ सिखाया था। इन संघर्षों से कुछ संस्थाएं भी निकली थीं जिनसे लोकतंत्र और उसके नैतिक मूल्यों के संरक्षण की गारंटी दी जाती थी, पर आज वे संस्थाएं निस्तेज या पक्षपाती हो गई हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया ने तय किया था कि अब विश्व 'जियो और जीने दो' के विचार पर चलेगा और राष्ट्रों की संप्रभुता के साथ नागरिकों के मानवाधिकारों की हिफाजत की जाएगी। यहां तक कि उस दौर में शरणार्थियों की भी चिंता की गई थी।

नजरिया
अरूण कुमार त्रिपाठी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान महात्मा गांधी ने अंग्रेजों को सलाह दी थी कि वे जर्मन फौजों के सामने हथियार उठाने की बजाय सत्याग्रही के तौर पर प्रस्तुत हो जाएं। उस वक्त गांधी का सम्मान करने वाले कई ब्रिटिश बौद्धिकों ने कहा था कि गांधी की सलाह अहिंसा के लिहाज से उचित और भविष्य के लिए सही हो सकती है, लेकिन इस समय उस पर अमल करना संभव और व्यावहारिक नहीं है। गांधी का कहना था कि मेरी सलाह भविष्य के लिए नहीं होती, वह तत्काल अमल के लिए होती है। जाहिर है, गांधी का यह भी कहना था कि जो समाज अपने वर्तमान में नैतिक आचरण के लिए प्रतिबद्ध है वह भविष्य को भी एक साफ दृष्टि से देख सकता है और एक नैतिक भविष्य का निर्माण भी कर सकता है।

इस मामले में हमारा मौजूदा दौर एक दोगले और पाखंडपूर्ण समय में उलझ गया है। वह ऐसी नैतिक शून्यता की ओर बढ़ रहा है जो उसके राजनीतिक नेतृत्व में है, उसकी नौकरशाही में है और उसके संचार-माध्यमों सहित जनता के व्यापक हिस्से में व्याप्त हो चुकी है। जिस नौकरशाही को कभी मैक्स बेबर एक 'प्रोफेशनल संगठन' मानते थे, वह निरी रीढ़-हीन साबित हो रही है। नौकरशाही के बारे में बेबर के बजाय लेनिन की बात ज्यादा सही हो रही है कि 'वह सत्तारूढ़ वर्ग की ताबेदारी ही करती है।'

आजकल 1975 से 77 के दौर के 'आपातकाल' पर ढेरों गोष्ठियां हो रही हैं और पुस्तकों, लेखों, रपटों, फिल्मों के माध्यम से तानाशाही और लोकतंत्र को परिभाषित किया जा रहा है। नायक और खलनायक चिह्नित किए जा रहे हैं। ऐसा करने वालों में कई ऐसे लोग भी हैं जिनका नाता वामपंथ, समाजवाद, सर्वोदय और स्वतंत्र सोच से है, लेकिन ज्यादा संख्या उन लोगों की है जो दक्षिणपंथी हिंदुत्व के विचार से गहरा संबंध रखते हैं। एक रोचक तथ्य यह भी है कि हिंदुत्ववादियों की ओर से होने वाली 'आपातकाल' की भर्त्सना के प्रतिकार में वामपंथियों और धर्मनिरपेक्ष तबके का एक हिस्सा 'इमरजेंसी' को अपरिहार्य बताते हुए उस मुद्दे पर इंदिरा गांधी के गुणगान भी करने लगा है। हालांकि वह तबका आज अधिनायकवाद से लड़ रहा है।

दिल्ली से लंदन, पेरिस से वाशिंगटन और पेइचिंग से दुबई तक हमारे समाज की विडंबना यह है कि वह नैतिक बल के बजाय पशुबल का कायल होता जा रहा है। कम-से-कम विगत एक दशक में हमने ऐसे विश्व और राष्ट्र का निर्माण कर दिया है जहां पर न सिर्फ अन्याय बढ़ते जा रहे हैं, बल्कि अन्याय का विरोध करने का लोकवृत्त यानी 'पब्लिक स्फेयर' भी समाप्त हो चला है। ऐसे लोकवृत्त लोकतांत्रिक समाजों में अधिक होते थे, लेकिन अब लोकतांत्रिक समाजों के स्वर 'सन्नाटे की कुंडली' (स्पाइरल आफ साइलेंस) में कैद हो गए हैं। वहां अन्याय के विरुद्ध आवाजें उठती जरूर हैं, लेकिन या तो दबा दी जाती हैं या उनका दायरा सीमित कर दिया जाता है। दूसरी ओर, अतीत के अन्याय के गौरवगान से समाज को मदमस्त कर दिया जाता है।

यही वह प्रवृत्ति है जो यहूदियों के नाज़ी नरसंहार यानी

'होलोकास्ट' का बार-बार स्मरण करते हुए गाज़ा में इजराइल की ओर से हो रहे नरसंहार पर महामौन धारण कर लेती है। यह एक भयभीत और नैतिक रूप से कायर समाज का लक्षण है। भारत ने इस कायरता से निकलने का जो मार्ग अपने 90 वर्षों के स्वतंत्रता संग्राम के जरिए हासिल किया था, वह आज खो गया है। गांधी ने उस दौरान उपज रहे हिंसक साहस को अहिंसक नैतिक साहस में परिवर्तित कर दिया था। इसीलिए वे न तो अपने किसी आंदोलन की गोपनीय तैयारी करते थे और न ही अपने प्रतिद्वंद्वी, जिसे दूसरे लोग दुश्मन कहते थे, के साथ उठने-बैठने में परहेज करते थे। इसी नैतिक साहस के नाते गांधी ब्रिटिश सम्राट से मिलने के बाद मुसोलिनी से भी मिलने का साहस रखते थे और हिटलर को सुधरने की सलाह देते हुए पत्र भी लिख सकते थे।

यूरोप ने यह राजनीतिक नैतिकता द्वितीय विश्वयुद्ध में लाखों लोगों को मारकर हासिल की थी। उपनिवेशवाद विरोधी संघर्षों ने यूरोप को बहुत कुछ सिखाया था। इन संघर्षों से कुछ संस्थाएं भी निकली थीं जिनसे लोकतंत्र और उसके नैतिक मूल्यों के संरक्षण की गारंटी दी जाती थी, पर आज वे संस्थाएं निस्तेज या पक्षपाती हो गई हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया ने तय किया था कि अब विश्व 'जियो और जीने दो' के विचार पर चलेगा और राष्ट्रों की संप्रभुता के साथ नागरिकों के मानवाधिकारों की हिफाजत की जाएगी। यहां तक कि उस दौर में शरणार्थियों की भी चिंता की गई थी।

उन दिनों तय किया गया था कि युद्ध के अलावा समुद्र में आने-जाने तक के नियम होंगे, लेकिन आज संपत्ति और सत्ता की चकाचौंध में फंसा समाज जीवन के महत्व और मानव अस्तित्व की अनिश्चितता को ही भूल गया है। जर्मनी के 'यातना शिविर' से बचकर निकले इतालवी केमिस्ट और लेखक प्रिमो लेवि का कथन है, 'सत्ता और धन की प्रभुता से हम इतने चौंधिया गए हैं कि अपने अस्तित्व की क्षणभंगुरता तक को भूल बैठे हैं। हम भूल गए हैं कि हम सभी एक किस्म की यहूदी बस्ती में कैद हैं और उस बस्ती के चारों ओर लगे कंटीले तारों के बाहर यमराज हमारा इंतजार कर रहे हैं।'

प्रिमो लेवि की इसी बात को आज के संदर्भ में उलटकर कहा जा सकता है कि जो लोग आज गाज़ा पर बर्बर हमले कर बेगुनाह औरतों और बच्चों का नरसंहार कर रहे हैं वे यह भूल रहे हैं कि लाशों और मलबे के वे ढेर कब बारूद बनकर किसको तबाह कर दें, कहा नहीं जा सकता। इसी तरह जो लोग पचास साल पहले लगे 'आपातकाल' की आलोचना करके अपने लोकतांत्रिक दायित्वों की इतिश्री मान रहे हैं और आज के दमन पर खामोश हैं, आने वाला इतिहास उन्हें भी खलनायक बनाने में शायद ही कोई मुरव्वत करे।

इन स्थितियों के लिए चंद समूहों की हिंसा और दमनकारी नीतियां ही दोषी नहीं हैं। गांधी ने चेतावनी दी थी कि उन्हें असली चिंता मानव सभ्यता के बर्बरीकरण की है। वह बर्बरीकरण हम गाज़ा पर अत्याचार कर रहे इजराइल और उसके साथ खड़े अमेरिका, यूरोप और एक हद तक भारत जैसे देश के व्यवहार में देख सकते हैं। यह वही कायर नैतिकता है जो इतिहास में पांच सौ साल पहले हुए नरसंहार पर तो आसमान सिर पर उठा लेती है, लेकिन वर्तमान नरसंहार पर खामोश रहती है। यह वही दोगलापन है जो पचास साल पुराने अधिनायकवाद की भर्त्सना के लिए तो गला फाड़ रहा होता है, लेकिन अपने समय के अघोषित आपातकाल पर प्रदीर्घ मौन धारण कर लेता है।

पंकज मिश्र अपनी ताजा पुस्तक 'द वर्ल्ड आफ्टर गाज़ा' में लिखते हैं, 'युद्ध अंततः अतीत का हिस्सा बन जाएगा और समय दहशत की उन मीनारों को समतल कर देगा, लेकिन गाज़ा में तबाही के निशान दशकों तक रहेंगे। वे निशान घायल मानव देह के रूप में होंगे, अनाथ बच्चों के रूप में होंगे, नगर के मलबे और बेघर लोगों के रूप में होंगे और होंगे हमारी चेतना में व्यापक रूप से फैले हुए सामूहिक मृत्युशोक के रूप में। जिन लोगों ने धरती की एक पतली सी पट्टी पर हजारों लोगों का वध होते हुए और उस पर शक्तिशाली लोगों की खुशी या उनकी उदासीनता देखी होगी, वे वर्षों तक आंतरिक जख्म और सदमे से उबर नहीं पाएंगे।'

(सप्रेस)

हमारे समय की राजनीति और हमारी आजादी

धर्म और आस्था कभी भी उनके जीवन और राष्ट्र के सपने का आधार नहीं था। उन सभी का सपना था एक ऐसा मुल्क जहां गरीब किसान अपने फसल का मालिक हो, छात्रों को पढ़ने लिखने की सारी सुविधाएं उपलब्ध हो, युवाओं को अच्छा रोजगार प्राप्त हो, महिलाएं देश में हर तरफ सुरक्षित हो, सभी को समय पर न्याय मिल सके। लेकिन उनके इस महान राष्ट्र में कहीं भी धार्मिक राष्ट्र के संकल्पना नहीं थी। ऐसा नहीं था की उनकी किसी परलौकिक शक्ति पर आस्था नहीं थी सिवाय भगत सिंह को छोड़कर... पर वे इसे राष्ट्र के विकास से कतई नहीं जोड़ते थे।

स्वतंत्रता दिवस विशेष
डॉ. संजीव कुमार
सहायक प्रोफ़ेसर, सामाजिक एवं राजनीतिक विशेषज्ञ

हमारे लोकतंत्र को आठ दशक होने को है, इसलिए इसे आठ दशक तक जीवित रखने के लिए उन सभी लोकतांत्रिक नायकों को बधाई जिन्होंने अपने कलम, अपने विचार अपने क्रांति के जरिए इसे अब तक सुरक्षित रखा है।आठ दशक का मतलब होता है एक व्यक्ति का चार पीढ़ीयों से गुजर जाना। इन आठ दशक में लोकतंत्र पर कई बार कमजोर होने के चिन्ह लगे तो कई बहादुरी के क्षण भी हमने देखें। इनमें हमने एक घोषित आपातकाल भी देखा और अब एक अघोषित आपातकाल भी देख रहे हैं। लेकिन इस महान लोकतंत्र के समक्ष यक्ष प्रश्न आज भी एक ही है। क्या देश के सभी नागरिकों के साथ सरकार और सत्ता एक जैसा व्यवहार कर रही है? क्या हमारी सरकार सभी को एक समान अवसर प्रदान करने की व्यवस्था कर पाई है? जिस अंतिम पंक्ति की बात महात्मा गांधी करते थे क्या उन तक आज भी हम न्याय और सुरक्षा पहुंचा पाए हैं? कभी - कभी ऐसा नहीं लगता कि जहाँ से हमने शुरुआत की थी आज भी हम उसी के इर्द-गिर्द खड़े है (सामाजिक परिस्थिति के परिप्रेक्ष्य में)।

देश को आजाद कराने के लिए हमारे जिन क्रांतिकारियों ने अपनी जवानी और अपनी जिंदगी इस देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते कुर्बान कर दी, उस मुल्क को हम उनके आदर्शों के कितने आसपास तक पहुंचा पाए हैं? भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान सभी अलग-अलग समुदाय जाति और धर्म से थे। सभी अच्छे परिवार से थे फिर ऐसा क्या जुनून उनके सर पर था जो उन्होंने अपनी ठीक-ठाक जिंदगी को इस मुल्क के नाम कर दिया, अंग्रेजों की कठोर से कठोर यातनाए सही, पूरी जिंदगी देश के लिए संघर्ष किया और तमाम जुल्म सहने के बावजूद भी हंसते-हंसते अपना जीवन इस देश के नाम न्योछावर कर दी। हमारी आस्था के अनुसार अगर आज कहीं वें स्वर्ग में होंगे और हमें देखते होंगे तो क्या हमसे खुश होंगे? यह सवाल आज देश के उन कर्णधारों के सामने है जिनके कंधों पर इन शहीदों के सपने हैं।

हमारे जितने भी क्रांतिकारी महानायक थे उन सभी ने कभी भी इस देश की कल्पना एक धार्मिक या पारलौकिक दृष्टि से होने वाले विकास की नजर से नहीं देखा। धर्म और आस्था कभी भी उनके जीवन और राष्ट्र के सपने का आधार नहीं था। उन सभी का सपना था एक ऐसा मुल्क जहां गरीब किसान अपने फसल का मालिक हो, छात्रों को पढ़ने लिखने की सारी सुविधाएं उपलब्ध हो, युवाओं को अच्छा रोजगार प्राप्त हो, महिलाएं देश में हर तरफ सुरक्षित हो, सभी को समय पर न्याय मिल सके। लेकिन उनके इस महान राष्ट्र में कहीं भी धार्मिक राष्ट्र के संकल्पना नहीं थी। ऐसा नहीं था की उनकी किसी परलौकिक शक्ति पर आस्था नहीं थी सिवाय भगत सिंह कों छोड़कर... पर वे इसे राष्ट्र के विकास से कतई नहीं जोड़ते थे।

लेकिन आज हमारे देश की पूरी राजनीति धर्म की इसी धूरी पर घूम रही हैं। जब से केंद्र की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी की सरकार हैं उसने देश की राजनीतिक चर्चा को ही बदल कर रख दी हैं। उनके भाषणों में धार्मिक किस्से होते हैं, उनकी योजनाओं में धार्मिक चर्चाएं होती हैं। मैं उनकी हिम्मत की दाद देता हूं कि उन्होंने अपनी राजनीतिक विचारधारा के साथ अन्य पार्टियों को भी अपने विचारधारा बदलने के लिए मजबूर कर दिया है। अरविंद केजरीवाल इस देश में अच्छी शिक्षा देने और भ्रष्टाचार मुक्त भारत की संकल्पना लेकर राजनीति में आए थे और हनुमान चालीसा करवाने लगे। चुनाव से पहले अगर राहुल गांधी बड़े मंदिरों में ना दिखे तो उन पर हिंदू न होने का खतरा दिखने लगता है (मीडिया इस हिसाब से प्रोपगंडा रचती हैं)। जबकि राहुल गांधी के वेशभूषा और बातचीत के तरीके से मालूम होता है कि उनका धर्म में कोई ज्यादा विश्वास नहीं हैं पर राजनीति की विवशता यह है कि उन्हें इसका प्रपंच रचना पड़ता है। डॉ. अंबेडकर के नाम पर राजनीति करने वाले अन्य राजनीतिक पार्टियां भी खुलकर धर्म के नाम पर होने वाले पाखंड का विरोध नहीं कर पाती और सत्ता में आने के बावजूद धार्मिक मेलों का आयोजन करती है।

आज अगर देश में कोई नेता है जो धर्म पर खुलकर बोलता है तो वह एमके स्टालिन है जो राज्य के विकास के लिए धर्म को बिल्कुल भी उपयोगी नहीं मानते (संविधान के धर्मनिरपेक्ष भावना के अनुसार)। उन्होंने स्कूल और कॉलेज में धार्मिक आधार पर होने वाले किसी भी आयोजनों पर पूर्ण तरह से पाबंदी लगा रखी है। और दूसरे उभरते हुए नेता जो खुद को नास्तिक कहते हैं वह नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद हैं। जो अपनी जनसभा में खुलकर लोगों को पाखंड और अंधविश्वास से दूर रहकर शिक्षा हासिल करने की बात कहते हैं। वही आप हिंदी पट्टी के राज्यों में देखिए तो विगत कुछ वर्षों में स्कूल और कॉलेज में इतने धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं जिसका कोई हिसाब नहीं। धर्म की राजनीति इस कदर आज मुल्क पर हावी हो चुकी है कि इसमें बलात्कार जैसे अपराध पर भी चर्चा नहीं होता। शिक्षक और शिक्षा दोनों दम तोड़ रहे, युवा बेरोजगार घूम रहें हैं, न्याय मांगने वालों के साथ दूर-दूर तक कोई खड़ा नहीं दिखाई दे रहा है। ऐसी परिस्थिति में अदम गोंडवी नें बहुत ही खूबसूरत बात कही है कि-

ये अमीरों से हमारी फ़ैसलाकुन जंग थी
फिर कहाँ से बीच में मस्जिद-मंदिर आ गए।

आज सरकार के खिलाफ बोलना 'धर्म' के खिलाफ बोलने के बराबर हो चूका है, जबकि इन नेताओं का धर्म से कोई नाता नही होता, और होना भी नहीं चाहिए। आज देश में धार्मिक आयोजनों को हमारे नेताओं ने देश की सभी समस्याओं से जरुरी बना दिया है। एक आयोजन खत्म नही हो रहा कि दूसरे की तैयारी होने लगती है। मीडिया के सभी उपकरणों के माध्यम से इतना बड़ा धार्मिक हंगामा खड़ा किया जा रहा है जिसमे आम नागरिक 'विवेकहीन' होकर सुध-बुध खो चुकी है। आस्था राजनीति, मनोरंजन और व्यवसाय का स्वरुप ले चुकी है जिसका लाभ राजनीतिज्ञ लोग बड़े चतुराई से उठा रहे है। इसलिए अब भारत को एक नास्तिक (धर्मनिरपेक्ष) शासक ही सही मायने में लोकतांत्रिक बना सकता है जहाँ सबको तर्क करने का अधिकार होगा, धर्म निजी जीवन तक ही सीमित रहेगा और समय पर सबको न्याय मिल सकेगा।

टी. एन. शेषन की याद

अनुभव
ध्रुव शुक्ल

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रह चुके टी.एन.शेषन की आत्मकथा के हवाले से याद आ रही है - एक दिन शेषन जी पत्नी के साथ किसी गाँव से गुजर रहे थे। उनकी पत्नी का ध्यान किसी घने वृक्ष पर बने पक्षियों के सुंदर घोंसलों पर गया। उनकी इच्छा हुई कि दो-तीन घोंसले उठाकर अपने घर कीसजावट के लिए ले चलें।

चुनाव आयुक्त के सुरक्षा अधिकारी ने वहाँ गायें चरा रहे एक चरवाहे लड़के से कहा कि...वह वृक्ष पर चढ़कर दो घोंसले लाकर दे। पर उस लड़के ने साफ़ इंकार कर दिया। उसे इस काम के लिए कुछ पैसे देने की पेशकश भी की गयी पर लड़का घोंसले लाने पर राजी नहीं हुआ। सुरक्षा अधिकारी ने उसे धमकाया और कहा कि ये बहुत बड़े साहब हैं। अगर बात नहीं मानोगे तो तुम्हें सजा दे सकते हैं।

वह चरवाहा लड़का बोला कि मैं किसी भी कीमत पर चिड़िया का घोंसला लाकर नहीं दे सकता। क्या आप नहीं जानते कि यह दोपहर का समय है और चिड़िया अपने बच्चों को अकेला छोड़कर दाना लेने गयी है। जब वह शाम को लौटकर आयेगी और उसे उसका घोंसला और बच्चे नहीं मिलेंगे तब उसको कितना दुख होगा। क्या आपको उस चिड़िया के दुख की कोई चिन्ता नहीं है?

मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन.शेषन ने गाँव के उस लड़के से यह सीखा कि किसी का घर उजाड़कर अपने घर को सुंदर नहीं बनाया जा सकता। लोकतंत्र एक घने बरगद के वृक्ष जैसा होता है और जिस पर बरन-बरन के पंछी अपने घोंसले बनाकर रहते हैं। वे पंछी उस वृक्ष की घनी छाया के भरोसे अपने बच्चों को छोड़कर दाना-पानी की तलाश में रोज दूर तक जाते हैं। हम इस वृक्ष की घनी छाया पर अपना अधिकार जताकर उसमें बसे बहुरंगी जीवन के साथ मनमानी नहीं कर सकते।

मुझे याद है कि जब टी.एन. शेषन भारत के चुनाव आयुक्त थे तो वे चुनाव जागरूकता के लिए भोपाल भी आये थे। उन्होंने यह जन जागरूकता अभियान पूरे देश में छेड़ रखा था। वे लोगों के बीच जाकर बार-बार यही तो समझा रहे थे कि लोकतंत्र किसी घने बरगद की छाया जैसा है और हम भारत के लोग इस वृक्ष की छाया में तिनका-तिनका सुख बटोरकर उसी की शाखाओं पर पंछियों की तरह अपना घर ही तो बुनते हैं।

शेषन जी अकेले पड़ते जा रहे मतदाताओं के संरक्षक की तरह थे। उनके मन में यह भाव था कि अपने प्रतिनिधि को चुनना भी अपना और सबका घर बुनने के जैसा ही काम है। उनकी पैनी निगाह उन लोगों पर थी जो जनता के नुमाइंदे होने केनाम पर लामबंद होकर लोकतंत्र के वृक्ष की जड़ें खोद रहे हैं। वे राजनीतिक दलों की हार-जीत के छल से जनता को बचाकर लोकतंत्र में जनता की जीत के लिएप्रतिबद्ध थे।

मुझे टी.एन. शेषन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका में आम चुनाव रूपी यज्ञ के उस निर्भय प्रधान पुरोहित की तरह लगते रहे जो चुनाव के लोक हितकारी यज्ञ को समुचित विधि-विधान से सम्पन्न करने में समर्थ है और बिना भेदभाव के जनता के मतों की प्रत्येक आहुति की सिद्धि के लिए लोकतंत्र के प्रति समर्पित है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

वह सुबह कभी तो आएगी.....

राजेंद्र बज
लेखक व्यंग्यकार हैं।

जिनके पास खोने को कुछ नहीं होता, उनके लिए पाने को सारा संसार हुआ करता है। इस नाते हम तो इस उम्मीद पर टिके है कि अपने भी दिन फीर सकते है। बस एक यही धार कर बैठे हैं कि 'वह सुबह कभी तो आएगी, जब रात में सूरज निकलेगा और दिन में चांदनी छाएगी।' ना, ना, हमारी दिमागी हालत पर कोई शक ना करो ! हमें तो राजनीतिक बिरादरी से जो कुछ सुनने और समझने को मिला है, उसी आधार पर मन ही मन ऐसी कल्पना कर रखी है कि 'वह सुबह कभी तो आएगी .....।' यकीन मानिए, उम्मीद पर दुनिया जिंदा है, तो हम नाउम्मीद क्यों रहे !

आजादी के बाद से ही सक्रिय राजनीति के रणबांकुरों ने जन समस्याओं के निराकरण और विकास विषयक योजनाओं के इतने गीत गाये कि तब सेअब तक आंखें फाड़-फाड़ कर विकास के सूत्र को पकड़ने का अभ्यास करते रहे। अभ्यास ही तो करते रहे, अभ्यास करते-करते इतने अभ्यस्त हो गए कि राजनीति का गणित समझ में आने लगा। लेकिन चूंकि हम आम में शुमार किए जाते है, इसलिए खास के लिए चूसने के ही काम आते है। हर बार और हर बार हम बुद्धू बनते गए। लेकिन कर ही क्या सकते थे। लोकतंत्र की शब्दावली में हमारी ओर से हमारे द्वारा हमारा ही तो शासन था।

कभी उनको आजमाया तो कभी इनको आजमाया। लेकिन हर किसी ने अपना जोर हम पर आजमाया। हम इसके भी अभ्यस्त होते गए। शायद कि हमारे वर्तमान और भविष्य को लेकर यही विधि का विधान हो कि हम कलपते ही रहे। कभी-कभी विचार आता है कि यह सब नसीब का खेल है कि हमारी अपनी जिंदगी फुटबॉल की तरह हो गई है। खिलाड़ी अपने खेल का पराक्रम दिखा रहे हैं। वह तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चलते चाहे हम अपने दर्द को स्वर दे सकते हो। लेकिन दूसरों की नजर में तो आदतन दुखियारे ही नजर आएंगे। मन में संशय होता है कि कहीं हम निरे अभागे तो नहीं !

बहुत ही सफाई के साथ बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के प्रयासों को 'विकास' के रूप में इस कदर प्रचारित एवं प्रसारित किया गया जैसे कि यह प्रक्रिया पूर्ण होते ही हम विकसित राष्ट्र की सूची में शुमार कर लिए जाएंगे। भला आप कैसे कह सकते हैं कि तमाम तरह की तोड़फोड़ की प्रक्रिया ताबड़तोड़ विकास की सूचक नहीं है। ऐसा नहीं है कि जिन्हें कुछ करना चाहिए वह कुछ नहीं कर रहे है। दरअसल वे बहुत कुछ कर रहे हैं, यहां तक कि जो उन्हें करना ही नहीं चाहिए, वह भी कर ही तो रहे हैं। आप आंख मूंदकर उनकी 'सक्रियता' का नजारा देखते रहे।

वैसे यह थोड़ी राहत की बात है कि बीते ग्यारह वर्षों से बड़े-बड़े महारथी 12 के भाव से नपने लगे हैं। खोटी चवन्नी अब चलन से बाहरहोती दिखाई देने लगी है। लेकिन मुद्रा के सिद्धांत को लेकर यह डर भी लगा करता है कि कहीं बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर न कर देवें। वैसे इस मामले में अपनी समझ तो इतनी है कि समथिंग इज बेटर देन नथिंग। इसके चलते चाहे हमें जन्नत की हकीकत मालूम हो, लेकिन गालिब के अनुसार दिल को बहलाने के लिए जन्नत का ख्वाब देखना क्या बुरा है! कम से कम यह आश्वस्ति तो रहेगी कि सपनों के संसार में हम विचरण कर सकें।

'शोले' के पचास साल

प्रो. मनोज कुमार

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

मशहूर फिल्म 'शोले' का भोपाल कनेक्शन

आखिर क्या कनेक्शन है 'शोले' और भोपाल का? जब इस बात की तहकीकात करेंगे तो आनंद आ जाएगा और यह बात भी साफ हो जाएगी कि करीब डेढ़ दशक से ऊपर समय से भोपाल में फिल्म सिटी बनाए जाने की माँग की जा रही है, वह जायज है। सरकार को इस ओर ध्यान देकर भोपाल में फिल्म सिटी डेवलप किया जाना चाहिए।

इस स्वाधीनता दिवस पर फिल्म 'शोले' अपने रिलीज होने की पचासवीं सालगिरह मना रही है। जब देश में आपातकाल लागू था। अनेक फिल्मों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। तब फिल्म 'शोले' मजे से देखी गई क्योंकि यह सरकार पर वार नहीं करती थी। मौसी और जय का संवाद हो या ताँगेवाली बसंती का बड़बोलापन, राधा की खामोशी हो या सांभा का डायलाग... बार-बार और हर बार, हर पीढ़ी को मोह लेता है। इस संकटकाल में 'शोले' ने कई मानक गढ़े और आज भी वह सिने प्रेमियों को लुभा रहा है।

...तो क्या दो रुपये में पूरा जंगल खरीदने निकले थे आप... देखो मियाँ भोत हो गया...अब आप यहाँ से रवानगी डाल दो... नई तो मेरा नाम भी सूरमा भोपाली ऐसई नई हे... यह डॉयलाग तो आपको याद होगा।। होगा क्यों नहीं... पचास साल से धूम मचा रहे सूरमा भोपाली ऐसई थोड़ी हैं... ये हैं फिल्म 'शोले' के भोपाल और मध्यप्रदेश कनेक्शन की पहली कड़ी...इसके अलावा भी और भी कड़ी हैं 'शोले' किसी अलहदा कहानी पर नहीं बनी थी। वह एक मसाला फिल्म थी। 'शोले' के अलावा भी अनेक फिल्मों ने पचास साल पूरे किए लेकिन शोले ने जो रिकार्ड कायम किया, उसका सानी दूसरा नहीं हुआ। 'शोले' और भोपाल तथा मध्यप्रदेश कनेक्शन को याद करना भी जरूरी है।

कभी चुलबुली और बाद में संजीदा नायिका के रूप में जिन्हें आप याद करेंगे तो वह भोपाल की जया भादुड़ी (अब बच्चन) होगी। वो भोपाल में अपने समय के लब्ध प्रतिष्ठित पत्रकार तरूण कुमार भादुड़ी की बिटिया हैं। इस फिल्म में गब्बर का किरदार प्रभावी बनाने में उनकी किताब 'अभिशप्त चंबल' का बड़ा योगदान है। अमज़द खान को उन्होंने यह किताब पढ़ने के लिए दी थी, जिसे रियल लाइफ में अमजद खान की पत्नी उन्हें पढ़ कर उन्हें सुनाती। इस तरह गब्बर सिंह का स्वाभाविक और दमदार किरदार परदे पर उतर आया। जय की भूमिका निभाने वाले अमिताभ बच्चन भले ही जन्म से इलाहाबादी हों, लेकिन भोपाल के दामाद हैं। बीती, वर्तमान और आने वाली पीढ़ी जब भी 'शोले' देखती है या देखेगी तो उसे सूरमा भोपाली जरूर याद आएंगे। कि सूरमा भोपाली है कौन? तो मियाँ हम कहेंगे हमारे जगदीप... भोपाल में सूरमा भोपाली जैसा सचमुच का कोई किरदार है या नहीं, यह तो पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है लेकिन भोपाल की मशहूर पटियाबाजी से यह किरदार उपजा होगा। और यह किरदार इतना प्रभावी है कि फिल्म से उसे हटा दिया जाए तो फिल्म का एक बड़ा हिस्सा वीरान सा हो जाएगा। जगदीप ने सूरमा भोपाली के किरदार को इस कदर जीवंत किया कि वाह भोपाल, आह भोपाल बरबस ही निकल पड़ता है। इस कॉमिक कैरेक्टर से जगदीप को काफी नाम और पहचान मिली, जिसके बाद से उन्हें सूरमा भोपाली के नाम से भी जाना जाने लगा। वैसे जगदीप का जन्म मध्यप्रदेश के दतिया में 29 मार्च 1939 को एक संपन्न परिवार में हुआ था। 'शोले' में उनको ये रोल मिलने का किस्सा भी बड़ा मजेदार है। 'सूरमा भोपाली' का किरदार भोपाल के फॉरेस्ट ऑफिसर नाहर सिंह पर आधारित था।

भोपाल में अरसे तक रहे जावेद अख्तर ने नाहरसिंह के किस्से सुन रखे थे, इसलिए जब उन्होंने सलीम के साथ फिल्म 'शोले' लिखना शुरू किया, तो कॉमेडी के लिए नाहर सिंह से मिलता-जुलता किरदार 'सूरमा भोपाली' तैयार कर दिया। जावेद अख्तर ने उन्हें 'शोले' की कहानी सुनाई। जगदीप को लगा कि दोस्ती की वजह से उन्हें काम मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिल्म की लगभग पूरी शूटिंग हो गई, तब एक दिन अचानक उन्हें डायरेक्टर रमेश सिप्पी का फोन आया। उन्होंने जगदीप को फिल्म में सूरमा भोपाली का रोल ऑफर किया। इस पर जगदीप ने कहा कि फिल्म की शूटिंग तो पूरी हो गई। तब सिप्पी ने कहा कि अभी कुछ सीन्स की शूटिंग बाकी है। सिप्पी के ऑफर पर उन्होंने सूरमा भोपाली का रोल निभाया। शोले

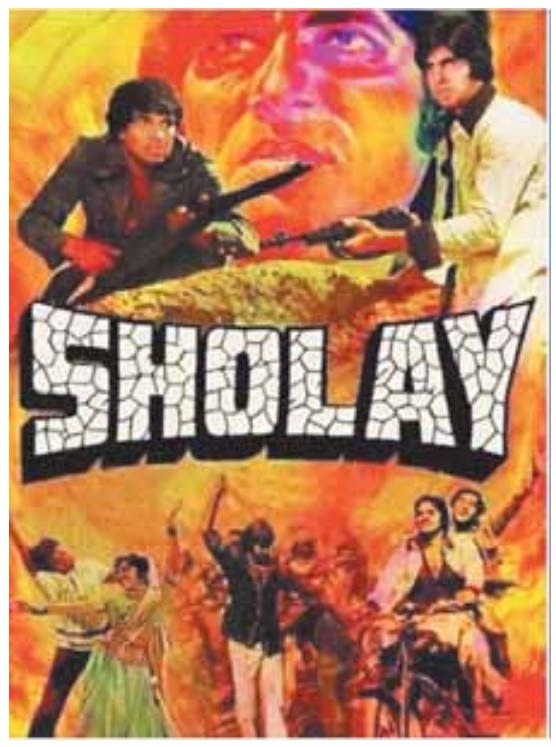

और सूरमा भोपाली का रोल, दोनों ही हिट रहे। इस सक्सेस के बाद जगदीप ने इसी किरदार पर फिल्म सूरमा भोपाली बनाई भी, जो 1988 में रिलीज हुई थी। ये भारत के बहुत से राज्य में फ्लॉप रही, लेकिन मध्यप्रदेश में इस फिल्म के प्रशंसक बड़ी तादाद में रहे।

सूरमा भोपाली के किरदार को गढ़ने वाले जावेद अख़्तर को कौन नहीं जानता? 'शोले' की हिट करने वाली पटकथा लिखने वाले जोड़ी सलीम-जावेद में से जावेद अख़्तर का सीधा रिश्ता भोपाल से है। भोपाल में पले-बढ़े जावेद के भीतर भी कहीं एक भोपालीपन होता है और शायद यही कारण है कि 'शोले' में सूरमा भोपाली के किरदार को गढ़ा और ऐसा गढ़ा कि पचास साल बाद भी उसकी याद ताज़ा है। जावेद अख़्तर 17 जनवरी 1945 को ग्वालियर में जन्मे। उनके पिता, जां निसार अख़्तर, एक प्रसिद्ध कवि थे और उनकी माता, सफिया अख़्तर, एक गायिका और लेखिका थीं। जावेद अख़्तर ने लखनऊ में अपनी शुरुआती शिक्षा प्राप्त की और भोपाल के सैफिया कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। इस प्रसंग को याद करना भी मजेदार है कि स्क्रिप्ट को कागज़ पर उतारना जावेद का काम था। लेकिन उनकी राइटिंग इतनी खराब थी कि उसको पढ़ा ही नहीं जा सकता था। वो उर्दू में लिखते थे, जिसका हिन्दी अनुवाद करते थे उनके असिस्टेंट ख़लिश। इसके बाद उनके एक दूसरे असिस्टेंट अमरजीत उसका एक लाइन में अंग्रेज़ी में सारांश लिखा करते थे। खैर, उनकी तासीर उनके इस शेर से पता चल जाता है

जिधर जाते हैं सब जाना उधर अच्छा नहीं लगता
मुझे पामाल रस्तों का सफर अच्छा नहीं लगता।

इसी पटकथा लेखक जोड़ी के सलीम का सीधा रिश्ता भोपाल से नहीं हो, लेकिन मध्यप्रदेश के इंदौर से जरूर है। सलीम का परिवार इंदौर से है और उनके बेटे सलमान खान का जन्म इंदौर में हुआ है। सलीम-जावेद ने ऐसी धाँसू पटकथा तैयार की कि एक मसाला फिल्म होने के बाद भी वह हरदिल अज़ीज़ फिल्म बनकर आज भी धूम मचा रही है। 'शोले' के भोपाली कनेक्शन के बहाने मध्यप्रदेश में सिनेमा संसार पर थोड़ी चर्चा जरूरी हो जाता है। सिनेमा निर्माण के लिए मध्यप्रदेश हमेशा से मुफीद रहा है। किसी समय राजकपूर जैसे शोमेन मध्यप्रदेश में फिल्म 'तीसरी कसम' शूटिंग सागर में की थी। जबलपुर में प्रेमनाथ का थियेटर था जो अब जमींदोज हो चुका है, राजकपूर की ससुराल रीवा में है। इधर बीते कुछ सालों से सिनेमा के परदे से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मध्यप्रदेश का जलवा है। लता मंगेशकर से लेकर किशोर कुमार, पंडित प्रदीप, जावेद अख़्तर और जाने कितने नामचीन लोग मध्यप्रदेश से निकल कर रूपहले परदे पर वर्षों से मुकाम बनाए हुए हैं। अब समय आ गया है कि प्रकाश झा जैसे बड़े फिल्मकार राजनीति, आरक्षण और चक्रव्यूह बना चुके हैं। इसके अलावा मध्यप्रदेश में बनने वाली फिल्मों में तू और भोपाल एक्सप्रेस, अशोका, मकबूल,जब वी मेट, पीपली लाइव, पान सिंह तोमर टॉयलेट एक प्रेम कथा, बाजीराव मस्तानी एवं गंगाजल जैसी फिल्म थी।

मध्यप्रदेश लोकेशन की दृष्टि से बहुत समृद्ध है। फिल्मों का क्रेज होने से कलाकार सस्ते में बल्कि मुफ्त में भी काम करने को मिल जाते हैं। अनेक शिक्षण संस्थाएँ, हॉस्पिटल, होटल और दूसरे भवन सस्ते दरों में शूटिंग के लिए मिल जाते हैं। राज्य सरकार भी फिल्म निर्माण के लिए मध्यप्रदेश की जमीन को उर्वरा मानती है और साथ ही फिल्मसिटी निर्माण से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यही नहीं, एक नीति बन जाने से कलाकारों का शोषण भी नहीं हो पाएगा। समय आ गया है कि हिन्दी सिनेमा से भोपाल ही नहीं, मध्यप्रदेश का कनेक्शन और पक्का हो जाए।

धड़क 2 : संवेदनशील मुद्दों पर संवेदनशील फिल्म

फिल्म इनदिनों

भारती पंडित

समीक्षक

निम्न जाति और निर्धन वर्ग में पैदा होना हमारे देश में व्यक्ति के लिए अभिशाप से कम नहीं है। ऐसे ही अभिशाप को जीता एक परिवार गाँव से त्रस्त होकर शहर की ओर पलायन करता है कि शायद यहाँ उन्हें जाति के अभिशाप से छुटकारा मिले...युवक नीलेश जिसे उसकी साहसी माँ यही बताती आई है कि यदि इस अभिशाप से दूर होना है तो पढ़ाई करो, कुछ बन जाओ...वकील बनने की चाह लिए नीलेश भोपाल के लॉ कॉलेज में दाखिला लेता है और दाखिला लेते ही उसे समझ आ जाता है कि शिक्षा की राह उसके लिए इतनी आसान भी नहीं। प्राचार्य चेतावनी देते हैं कि कोटे में आए हो, राजनीति, धरना-प्रदर्शन इन सबसे दूर रहना, कक्षा में छात्र और प्राध्यापक उसके सरनेम को लेकर उसका मखौल उड़ाते हैं। उसे पीछे बैठने पर मजबूर किया जाता है।

'जब अन्याय कानून बन जाए, तो प्रतिरोध कर्तव्य बन जाता है' थॉमस जेफरसन का यह कथन इस फिल्म का आधार है। यह फिल्म धड़क 2 का सीक्वल हरगिज़ नहीं है, यह एक तमिल फिल्म पेरियलम पेरिमल का रीमेक है पर उस फिल्म में उठाए गए जातिवाद के मुद्दे को थोड़ा बड़े फ़लक के साथ, थोड़ा और संजीदगी और विस्तार से उकेरती है और सच कहूँ तो यह फिल्म लिखने के लिए नहीं, डूबकर देखने और अनुभव करने के लिए बनी है।

शिक्षा में जातिगत आरक्षण को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते हैं, बड़ी बहसें हैं पर ये सारी बहसें उन लोगों द्वारा चलाई जाती हैं जिन्हें हर तरह की सुविधाएँ मिली हुई हैं, जो सवर्ण है, सक्षम हैं। यह सब भेदभाव पहले होता था, अब तो कुछ नहीं है, लोग बड़ी आसानी से यह कह देते हैं पर गाँव-खेड़े में ही नहीं, बड़े शहरों में भी जाति, धर्म, वर्ग के आधार पर भेदभाव देखा जा सकता है, अनुभव किया जा सकता है।

निम्न जाति और निर्धन वर्ग में पैदा होना हमारे देश में व्यक्ति के लिए अभिशाप से कम नहीं है। ऐसे ही अभिशाप को जीता एक परिवार गाँव से त्रस्त होकर शहर की ओर पलायन करता है कि शायद यहाँ उन्हें जाति के अभिशाप से छुटकारा मिले...युवक नीलेश जिसे उसकी साहसी माँ यही बताती आई है कि यदि इस अभिशाप से दूर होना है तो पढ़ाई करो, कुछ बन जाओ...वकील बनने की चाह लिए नीलेश भोपाल के लॉ कॉलेज में दाखिला लेता है और दाखिला लेते ही उसे समझ आ जाता है कि शिक्षा की राह उसके लिए इतनी आसान भी नहीं। प्राचार्य चेतावनी देते हैं कि कोटे में आए हो, राजनीति, धरना-प्रदर्शन इन सबसे दूर रहना, कक्षा में छात्र और प्राध्यापक उसके सरनेम को लेकर उसका मखौल उड़ाते हैं। उसे पीछे बैठने पर मजबूर किया जाता है।

शिक्षा के मंदिर में यदि शिक्षक जाति और धर्म के बारे में अपने पूर्वाग्रहों को लेकर कक्षा में आते हो तो शिक्षा के स्तर का गिरना अवश्यंभावी है। नीलेश को उसके प्राध्यापक

बार-बार पूरा नाम बताने को कहते हैं और वह बार-बार कहता है- नीलेश बी.ए.एल.एल.बी.। मुझे एक वाकया याद आ गया जहाँ एक संस्थान में परिचय देते वक्त मुझसे बार-बार पूछा जा रहा था कि पूरा नाम क्या लिखती हो आप और मैं बस भारती पर अड़ी हुई थी, हालांकि मुझे अपने सरनेम का कितना लाभ मिला है, यह आज समझ में आता है।

यह फिल्म जातिगत भेदभाव के छोटे, महीन और संगीन मुद्दों को साथ लेती चलती है। नीलेश और उसके दोस्तों के साथ ऊँची जाति के मुहल्ले के लोगों द्वारा बदसलूकी किए जाना, उसके कुत्ते को क्रूरता से मार डालना या शादी में उसका अपमान...सभी घटनाएँ सिहरा देने वाली और खून खौला देने वाली हैं।

एक सवर्ण वकील परिवार की खुले विचारों वाली लड़की विदिशा यानी विधि नीलेश के प्रेम में पड़ जाती है, उसकी हर संभव सहायता करती है। निर्देशक की गहरी पकड़ हर दृश्य पर दिखाई देगी- जाति और वर्ग की निम्नता का अहसास आपका आत्मविश्वास ही खत्म कर डालता है भले ही आप पुरुष क्यों न हो...प्रेम प्रदर्शन के दौरान विधि का खुलापन और नीलेश का असमंजस और लाचारी इसी को बखूबी दर्शाती है।

इस फिल्म में कुछ और महत्वपूर्ण पात्र हैं जिनसे रूबरू होना जरूरी है। कॉलेज में फेलोशिप के अंतर्गत अध्ययनरत शेखर है जो निम्न जाति से है और समानता के अधिकार की लड़ाई लड़ रहा है, बेहतरीन लेखक है...इस पात्र को निभाया है प्रियंक तिवारी ने और हर दृश्य में खासा प्रभाव छोड़ा है। प्रियंक की गहरी आँखें उनके संवादों को ज्यादा गहराई से अभिव्यक्त करती नज़र आएँगी। दूसरा पात्र एक साइको किलर शंकर (सौरभ चतुर्वेदी) का है जो शहर की सफाई करने में लगा है यानी नीची जाति के लड़कों को मारकर अपनी लड़कियों को उनके जाल में फँसने से बचाना ही उसके जीवन का उद्देश्य है। फिल्म में एक दृश्य उसकी नफरत को बड़ी गहराई से दर्शाता है जब नीलेश को गुंडे पीट रहे होते हैं और शंकर उसे उनसे बचाता है। दोनों एक चाय की गुमटी पर आते हैं, नीलेश शंकर के हाथ में चाय थमाता है, शंकर चाय की पहली चुस्की लेता है और नीलेश अपना पूरा नाम बताता है- नीलेश अहिरवार... शंकर के मुँह की चाय मानो कसैली हो जाती है, वह चाय का गिलास अपने जूते के करीब रखता है...कैमरा शंकर के मुँह के भाव और जूते के पास रखे गिलास को उतनी ही बारीकी से दिखाता है और दर्शक इस नफरत से सिहर जाते हैं। अगला पात्र है नीलेश के पिता (विपिन शर्मा) जो नौटंकी में नाचते हैं और यह काम उन्होंने दुनिया की लानत के बावजूद अपनी मर्जी से चुना है। वे बेटे से सवाल करते हैं कि सब्बल से किसी का सिर खोलना लड़ना नहीं होता, लड़ाई मुद्दे के होती है। मैं तो अपने हुनर को बचाने के लिए लड़ा, तुम किस बात के लिए लड रहे हो। उनकी पत्नी (अनुभा फतेहपुरा) एक साहसी और जानकार महिला के रूप में नज़र आती है और पति की इच्छा को सम्मान देती है। वहीं बेटे के सामने भी ढाल बनकर खड़ी रहती है। ये सारे पात्र फिल्म की जान हैं।

फिल्म में जातिगत अत्याचार के दृश्य आपको सिहरने, परेशान होने और अंत में रोने पर मजबूर करते हैं और यही इस फिल्म की सफलता है। नीलेश के रूप में सिद्धांत चतुर्वेदी और विधि के रूप में तृप्ति ढिमरी उत्कृष्ट चयन है जो पात्र के लिए जरूरी हर माँग को पूरा करते हैं। संवाद बेहद प्रभावी हैं, गीत धडक चाहिए और शैलेंद्र की कविता - आज अपना हो न हो पर कल हमारा है बेहद सुंदर बन पड़े हैं। इस पूरी फिल्म में मैं दिल थामकर बैठी थी कि अंत में दोनों की मौत न हो...मेरे लिए मौत यानी हार का संदेश है।

नीलेश के प्राचार्य (जो खुद इस प्रताड़ना से गुजरे थे) उससे कहते हैं मैंने तुम्हें कहा था कि राजनीति में मत पड़ना पर जब सवाल लड़ने या मरने का हो तो लड़ने को चुनना...

अनेक झंझावातों से गुज़रते हुए नीलेश अंत में लड़ता है और अपनी बात कहता है। हालांकि फिल्म का फिल्मी सा अंत इस फिल्म के लिहाज़ से ठीक नहीं लगा, सदियों की धारणा ऐसे नहीं बदलती, जब तक दंड या समझाइश का प्रावधान न हो...खैर...

सारी फिल्म भोपाल में शूट की गई है और भोपाल और उसके आसपास की खूबसूरती मन को लुभाती है, अपने शहर से और प्यार हो जाता है। शाजिया इकबाल का निर्देशन शानदार है, हर फ्रेम के साथ न्याय किया है, चेहरे के भावों को कैमरे ने बखूबी पकड़ा है। तो एक शानदार और संवेदनशील फिल्म के नाते इसे देखिए, सपरिवार, सह मित्र देखिए और समाज की असमानताओं की ओर दृष्टि डालिए।

आज विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

सुरेन्द्र शर्मा

(लेखक भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य हैं)

'अखण्ड भारत' बंद आंखों का स्वप्न नहीं खुली आंखों का संकल्प है!

15 अगस्त 1947 का दिन भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन था सदियों की विदेशी सत्ता समाप्त होकर भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई पर यह स्वतंत्रता खुशी के साथ आंसू भी लेकर आई। अंग्रेज स्वतंत्रता तो दे गये पर अपनी कुटिल चालों से भारत का विभाजन भी कराकर चले गए।

13 अगस्त तक जो राष्ट्र अखंड था 14 अगस्त को उसके दो टुकड़े हो गए जिस राष्ट्र ने 1905 में अपने एक प्रदेश बंगाल के विभाजन का पुरजोर विरोध किया एवं अंततः 1911 में अंग्रेजों को बंगाल का विभाजन रद्द करना पड़ा कमजोर नेतृत्व के कारण उसी राष्ट्र ने ठीक छत्तीस वर्ष पश्चात देश का विभाजन स्वीकार कर लिया।

आजादी के जश्न में ना कोई जनता के आंसू देखने वाला था और ना ही कोई परिजनों के बिछड़ने पर सांत्वना देने वाला था। विभाजन की मांग को विलक्षण मूर्खता कहकर ठुकराने वाले या पकिस्तान मेरी लाश पर बनेगा कहकर जनता को विभाजन न होने देने का आश्वासन देने वाले आज मौन थे। आवाजें थीं तो स्वतंत्रता प्राप्ति के सरकारी आयोजनों की या फिर विभाजन के दंश को झेल रही आम जनता की।

आखिर भारत का विभाजन हुआ क्यों ?

सन् 1857 में पहली बार संगठित रूप से विदेशी दासता का प्रतिकार करने एवं स्वधर्म तथा स्वराज की रक्षा हेतु संग्राम लड़ा गया जिसने भारत से ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त कर दिया एवं भारत पर सीधे ब्रिटेन का शासन हो गया इस क्रांति के पश्चात एक तरफ भारत की जनता में स्वतंत्रता प्राप्ति की इच्छा प्रबल हो चुकी थी दूसरी तरफ ब्रिटिश सरकार इस राष्ट्र भक्ति के ज्वार को ठंडा करने का हर संभव प्रयास करने लगी थी ब्रिटिश सरकार द्वारा अपनी फूट डालो और राज करो की नीति को और तेज गति से लागू करना प्रारंभ कर दिया था देश की एकता को तोड़ने के लिए रेजीमेंटों को जाति के आधार पर बांटना जनाक्रोश को दबाने के लिए 1885 में अंग्रेज आईसीएस अधिकारी ए ओ ह्यूम जो 1857 में इटावा के कलेक्टर थे एवं क्रांतिकारियों के डर से महिला का वेश रखकर इटावा से भागे थे के द्वारा कांग्रेस की स्थापना 1905 में धर्म के आधार पर बंगाल प्रांत का विभाजन अंग्रेजों की सोची समझी चालों का परिणाम था पर भारत में राष्ट्रवाद का बेग अपने चरम पर था राष्ट्र भक्त जनता ने अंग्रेजों की सभी चालों को विफल किया हुआ था भारत के अंदर बंकिमचद्र चटर्जी, लोकमान्य तिलक लाला लाजपत राय बिपिन चंद्र पाल जैसे नेता जनता अंदर राष्ट्रभक्ति की ज्वाला को प्रखर कर रहे थे कांग्रेस भी अब अंग्रेज भक्त संस्था से राष्ट्र भक्त संस्था का रूप लेकर जन आंदोलन का नेतृत्व कर रही थी। जनता के इस ज्वार को सह पाना अंग्रेजों को असहनीय हो रहा था वह अपने लिए एक ऐसे मोहरे की तलाश कर रहे थे जो उनके लिए भारत विरोधी कार्य कर सके इसी उद्देश्य से 1905 में मुस्लिम लीग की स्थापना भी अंग्रेजों की योजना से हुई। परंतु प्रारंभ में वह निष्प्रभावी रही 1920 तक लोकमान्यय तिलक कांग्रेस के सर्वोच्च नेता थे 1 अगस्त 1920 को तिलक की मृत्यु के पश्चात मोहनदास करमचंद गांधी कांग्रेस के सर्वोच्च नेता बन गए। गांधी जी का स्पष्ट मत कि हिन्दू मुस्लिम एकता के बिना स्वराज की प्राप्ति संभव नहीं है। अतः मुस्लिम समुदाय को साथ रखने के लिए जो कुछ भी करना पड़े वह करना चाहिए जब भारत के मुसलमानो ने तुर्की के खलीफा के समर्थन में खिलाफत आंदोलन प्रारंभ किया उस समय कांग्रेस के प्रमुख नेताओं अध्यक्ष विजय राघवचारी, श्रीमती एनी बेसेंट, रवींद्रनाथ ठाकुर ने 1920 के कोलकाता अधिवेशन में खिलाफत आंदोलन का विरोध किया परंतु गांधी जी की इच्छा के आगे उनकी एक न चली परिणाम स्वरूप भारत में अलगाववाद का एक नया विचार प्रारंभ हुआ।

खिलाफत आदोलन से हिंदू मुस्लिम एकता तो दूर उल्टे मुस्लिम कट्टर पंथियों एवं ब्रिटिश षड्यंत्र कारियों को हिंदुस्तान को कमजोर करने का एक नया हथियार मिल गया।

बात यही समाप्त नहीं हुई सरदार भगत सिंह एवं उनके साथियों की फांसी को रुकवाने का प्रयास न करना नेताजी सुभाषचद्र बोस को कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्याग पत्र देने के लिये मजबूर करना एवं मोहम्मद अली जिन्ना जब तक राष्ट्रवादी थे तब तक उनकी उपेक्षा करना और जब वह अलगाववाद का राग अलापने लगे तो उनके सामने झुकने जैसी अनेक गलतियां थी जो तत्कालीन नेतृत्व ने की एवं जो अततः भारत के लिए घातक साबित हुईं।

राष्ट्रवादी जिन्ना को कांग्रेस ने अलग-थलग कर दिया एवं आगा खान, अली बंधुओं जैसे अलगाववादियों को महत्व देती रही एवं जब जिन्ना ने अलगाववाद का रास्ता अपना लिया तो कांग्रेस एवं उसके नेता जिन्ना को महत्व देने लगे। तुष्टिकरण यही नहीं रुका उस समय कांग्रेस के अधिवेशनों की शुरुआत वन्देमातरम गायन से होती थी

1923 के कांग्रेस के काकीनाडा अधिवेशन में पंडित पलुस्कर ने जैसे ही वंदे मातरम का गायन प्रारम्भ किया कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली ने इसे रोकने का प्रयास किया। आगे चलकर वंदे मातरम के केवल प्रथम दो ही पद गाए जाने लगे यह तुष्टिकरण की पराकाष्ठा थी।

इस प्रकार तुष्टिकरण सत्ता की लालसा एवं कमजोर नेतृत्व तथा अंग्रेजों की कुटिल चालों के कारण भारत का विभाजन हो गया जिस रावी के तट पर 26 जनवरी 1930 को पूर्ण स्वराज्य की शपथ कांग्रेस के नेताओं द्वारा ली गई थी वह रावी पाकिस्तान का हिस्सा हो गई। जिन आंखों में स्वतंत्रता प्राप्ति का स्वप्न बरसों से पल रहा था उन आंखों को स्वतंत्रता के साथ विभाजन का भीषण मंजर देखना पड़ा।

जवाहरलाल नेहरू भारत का प्रधानमंत्री बनकर खुश थे (यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत के प्रधानमंत्री के लिए कांग्रेस की प्रांतीय परिषदों से प्रस्ताव मंगाए गए थे कुल 15 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे 13 सरदार पटेल के थे 1 पट्टाभि सीतारमैया का और मात्र एक पंडित जवाहर लाल नेहरू का प्रस्ताव था लेकिन 13 प्रस्ताव वाले सरदार पटेल को उप प्रधान मंत्री बनाया गया और एक प्रस्ताव वाले नेहरू जी प्रधानमंत्री बने) तो मोहम्मद अली जिन्ना मनमांगा देश लेकर खुश थे। दुखी थे तो भारत के करोड़ों लोग जिनका सब कुछ लुट गया स्वतंत्रता तो मिली पर देश खंडित हो गया।

कितनी बार हुआ भारत का विभाजन ?

3 जून 1947 के दिन अचानक अंग्रेजों द्वारा कहा गया कि भारत अब आजाद हो रहा है लेकिन हमारी जमीन बंटेगी और इसे कैसे बांटना है यह अंग्रेज बहादुर और मुसलमान तय करेंगे। आजादी मिलना वैश्विक प्रक्रिया का एक हिस्सा भर थी जिसके दो ही कारक महत्वपूर्ण थे। एक द्वितीय विश्व युद्ध जिसने ब्रिटेन के बाजार को सड़क पर ला दिया और दूसरा यह डर कि आजाद हिंद फौज के प्रति भारतीय सेना की बढ़ती सहानुभूति कहीं बड़े आंदोलन का रूप न ले ले। इसकी परिणतिस्वरुप माउंटबैटन दम्पति भारत आए।

माउंटबेटन और रेडक्लिफ़ ने बँटवारे के मामले में बहुत जल्दबाज़ी दिखाई, पहले भारत की आज़ादी के लिए जून 1948 तय किया गया था, माउंटबेटन ने इसे पहले खिसका कर अगस्त 1947 कर दिया जिससे भारी अफ़रा-तफ़री फैली और असंख्य लोगों की जानें गईं। इस विषय में सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि सर सिरिल जॉन रेडक्लिफ को हिन्दुस्तान के भूगोल की जानकारी बहुत कम थी। वे तो पहले कभी हिन्दुस्तान भी नहीं आये थे।

8 जुलाई 1947 को हिंदुस्तान पहुंचने के बाद उन्हें बताया गया कि उन्हें क्या करना है। यही नहीं, ब्रिटिश सरकार ने महत्वपूर्ण काम के लिए रेडक्लिफ को मात्र 5 सप्ताह ही दिये। यही नहीं, ब्रिटिश सरकार ने उन्हें क्षेत्रीय जानकारी एकत्रित करने का समय भी नहीं दिया था।

बंटवारा चाहता कौन था ?

समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने अपनी किताब 'गिल्टी मेन ऑफ़ पार्टीशन' में लिखा है कि कई बड़े कांग्रेसी नेता जिनमें नेहरू भी शामिल थे वे सत्ता के भूखे थे, जिनकी वजह से बँटवारा हुआ परंतु इस्लामिक साम्प्रदायिकता इस लालच से भी बहुत बड़ी थी। नामी-गिरामी इतिहासकार बिपिन चंद्रा ने तो विभाजन के लिए सीधे मुसलमानों की सांप्रदायिकता को ज़िम्मेदार ठहराया है।

यह दुनिया का सबसे क्रूर, नृशंस, घटिया, बेईमान और बेशर्म बंटवारा था। इस बंटवारे में 10 लाख से अधिक लोग मारे गए एवं 1.5 करोड़ से ज्यादा लोग बेघर हो गए। महर्षि अरविंद ने कहा था विभाजन बना रहता है तो भारत गंभीर रूप से अशक्त हो सकता है सदा ही गृह क्लेश की आशंका रह सकती है जिस प्रकार से जैसे भी हो विभाजन समाप्त होना चहिए, एकता आवश्यक है और प्राप्त की जानी चाहिए क्योंकि भारत की भावी महानता इसी में छुपी हुई है।

आज भारत और पाकिस्तान दोनों दुखी हैं न भारत में चैन है ना पाकिस्तान में शांति।

पाकिस्तान की जनता भी शांति और समृद्धि चाहती है और शांति सिर्फ भारत के साथ मिलकर ही संभव है। बहुत पहले मुहाजिर कौमी मूवमेंट के अध्यक्ष अल्ताफ हुसैन ने लंदन में एक कार्यक्रम में कहा था कि विभाजन एक बड़ी ऐतिहासिक गलती है अगर गलती हुई है तो इसे सुधारा भी जा सकता है और सुधार का एक मात्र रास्ता है अखंड भारत की पुर्नस्थापना।

हमारी राष्ट्र की अवधारणा राजनीतिक कम सांस्कृतिक ज्यादा है। कुछ लोगों का मत है कि विभाजन एक स्थापित सत्य है पर वह उनकी भ्रांति से ज्यादा कुछ नहीं। जब दोनों देशों की जनता चाहेगी विभाजन समाप्त होकर रहेगा।

यह सब संभव है लेकिन उससे पहले पाकिस्तान को सेना और आई इस आई व कट्टर पंथियों के कब्जे से मुक्त होना होगा जो फिलहाल दूर की कौड़ी है।

धूमधाम से मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

बैतूल। साहू फूले आंबेडकर वरिष्ठ नागरिक जनजागृती समिति जिला बैतूल द्वारा स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। इस संबंध में समिति के एमएल पाटिल ने बताया कि 15 अगस्त, शुक्रवार को राष्ट्रीय ध्वज समिति के अध्यक्ष एएल चौकीकर के द्वारा जिला अस्पताल के सामने आंबेडकर चौक पर ध्वजारोहण प्रातः 8 बजे किया जाएगा। एमएल पाटिल और भाउराव उबनारे ने बताया कि इस अवसर पर वक्ताओं का संबोधन भी किया जाएगा। तुकाराम लोखंडे, मधु पाटिल, पीएल खातरकर, सिद्वार्थ चिचखेडे ने सभी से उपस्थित होने का अनुरोध किया।

पुण्यतिथि पर लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर को दी पुष्पांजलि

बैतूल। पुण्य श्लोका लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की पुण्यतिथि पर जिला भाजपा कार्यालय में लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर को भावभींनीं पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि जनता के साथ वात्सल्य के भाव के साथ विकास विचार देवी अहिल्या बाई होल्कर के आज भी प्रासंगिक है उनके राज्य में आर्थिक रूप से सक्षम महिलाएं उनके आर्थिक दृष्टिकोण से महिलाओं की आर्थिक स्थिती मजबूत रही। महिलाओं की सशस्त्र सेना सशक्त नारी का परिचय रही महिलाएं सशक्त और समृद्व रहे तो समाज सशक्त होता है राष्ट विकसित होते हैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकमाता का अनुसरण कर देश की महिलाओं को सशक्त कर रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार ने कहा कि धर्म हित से राष्ट्रहित की भावना रखने वाली लोकमाता की न्यायशीलता आज भी प्रासंगिक है जल और पर्यावरण को लेकर उनके कराए गए कार्य आज भी हमें प्रेरणा देते हैं। मंदिरो के पुनरोत्थान को लेकर उन्होने अभूतपूर्व निर्माण कराए जिनके उदाहरण हमें पूरे भारत वर्ष में देखने को मिलते है। श्रद्धांजलि के अवसर पर जिला उपाध्यक्ष इंद्रपाल पुण्डे, रश्मि साहू, जिला महामंत्री कमलेश सिंह, जिला मंत्री अतीत पंवार, कार्यालय मंत्री कृष्णा गायकी, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, नीतू पटेल, कविता मालवी, कविता रघुवंशी, विकास प्रधान, अंशुल मिश्रा, मधुसूदन अमरूते, देवेन्द्र बर्थे, शेखर बारस्कर सहित बडी संख्या में पार्टी पदाधिकारी , कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिले से 72 बच्चे संभाग स्तर के लिए चयनित

शालेय स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न

बैतूल। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भडूस में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय शालेश्य खो-खो खेल प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमें 14,17,19 वर्ष वर्ग के जिले के 350 खिलाडियों ने हिस्सा। जिसमें 5 ब्लाकों की टीम ने सहभागिता की। जिसमें 14 वर्ष बालिका में बैतूल विजेता, बालक 14 वर्ष में मुलताई विजेता, 17 वर्ष में बालिका में आमला विजेता, 17 वर्ष बालक में बैतूल विजेता, 19 वर्ष बालिका में चयन हुआ है और 19 वर्ष बालक में मुलताई विजेता हुए। इस प्रतियोगिता में चयनित छात्र-छात्राओं संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। शालेय स्तर प्रतियोगिता में सभी वर्गो को मिलाकर कुल 72 बच्चे संभाग स्तर के लिए चयनित हुए हैं। प्रतियोगिता संपन्न करवाने में प्राचार्य सुरेखा साबले, रैफरी अंकित बिंकोडे पीटीआई मानसरोवर स्कूल, दक्ष राजपूत, शासकीय उच्चतर माध्यमिक भडूस, महेश खत्री मुलताई का सराहनीय योगदान रहा।

ग्राम पंचायत चिखली खुर्द एवं चौथिया में निकाली गई हर घर तिरंगा यात्रा

मुलताई। नगर से लगी ग्राम पंचायत चिखली खुर्द एवं ग्राम पंचायत चौथिया में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा

निकालकर तिरंगे के प्रति सम्मान का संदेश दिया।ग्राम पंचायत चिखली खुर्द में तिरंगा यात्रा ग्राम पंचायत सरपंच पुष्पा जीतू डहारे एवं सचिव चुन्नीलाल पवार के नेतृत्व में निकाली गई। प्राथमिक शाला हाई स्कूल से निकली तिरंगा यात्रा में विद्यार्थी, शिक्षक गण, आशा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं शामिल हुई। ग्राम सरपंच पुष्पा जीतू डहारे ने बताया कि रेली के माध्यम से संपूर्ण ग्राम में घूम कर प्रत्येक घर में तिरंगा लहराने और हर घर स्वच्छता बनाए रखने का आग्रह किया गया और स्वतंत्रता दिवस को जन पर्व के रूप में घर-घर में तिरंगा लहरा कर मनाए जाने के लिए कहा गया। हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत ग्राम पंचायत चौथिया मे भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपा नेता नमन अग्रवाल एवं उपसरपंच सतीश डोंगरदिए के नेतृत्व में निकाली गई इस शोभायात्रा में प्राथमिक शाला के बच्चे सरपंच सचिव एवं पंचों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। चौथिया में हाथ में राष्ट्रध्वज तिरंगा लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्कूली बच्चे भारत माता की जय कारों के साथ जब ग्राम की गलियों में निकले तो राष्टभक्ति का एक अनोखा दृश्य दिखाई दिया। तिरंगा यात्रा के अवसर पर ग्राम में स्थित राजा भोज प्रतिमा के समक्ष भाजपा नेता नमन अग्रवाल का ग्रामीणों ने शाल श्रीफल भेटकर स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा नेता नमन अग्रवाल ने कहा कि हाथ में तिरंगा और दिल में राष्टप्रथम का संकल्प लिए हुए बच्चो को देखकर मै अत्यंत उत्साहित हु। तिरंगा यात्रा से हमारे अंदर राष्टभक्ति की भावना जागृत होती है और हमें राष्ट के प्रति अपने दायित्व का बोध होता है। तिरंगा यात्रा महापुरुषों, क्रांतिकारियों एवं वीर सैनिकों के प्रति हमारी कृतज्ञता का बोध कराती है।

सड़क किनारे बाजार संचालित होने से लगता है जाम, सबसे ज्यादा पार्किंग की खल रही कमी

चौक-चौराहों के विकास पर करोड़ों खर्च, साप्ताहिक बाजार को व्यवस्थित बनाने में रूचि नहीं

बैतूल। नगरपालिका शहर के चौमुखी विकास के लिए चौक-चौराहों के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण और सड़कों का निर्माण करवा रही है, लेकिन आमजनता से जुड़े साप्ताहिक बाजार को व्यवस्थित करने पर नगरपालिका का ध्यान नहीं है। हालात यह है कि शहर के तीनों मुख्य बाजार सडक किनारे संचालित हो रहे है और लोगों को यहां कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। खासकर ट्रॉफिक को लेकर वाहन चालकों के साथ-साथ आमजनता बेहद परेशान है, वहीं दुकानदारों को भी दुकान लगाने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं हो पा रही है। दरअसल विगत कई सालों से शहर के गंज, सदर और कोठीबाजार क्षेत्र में साप्ताहिक बाजार सडक किनारे ही लग रहा हैं। ऐसा नहीं है कि साप्ताहिक बाजार के लिए जमीन नहीं हैं बल्कि जमीन होने के बाद भी नगरपालिका अभी तक साप्ताहिक बाजार के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं कर पाई है। नतीजतन सप्ताह में सातों दिन अलग-अलग क्षेत्रों में लगने वाले सब्जी बाजार सडक पर ही लगते हैं और इससे यातायात बाधित होता हैं। वहीं आम जन की मुश्किलें बढ़ जाती हैं।

तीनों मुख्य बाजार सड़क किनारे संचालित: जिला मुख्यालय पर सप्ताह में सातों दिन अलग-अलग क्षेत्रों में सब्जी बाजार संचालित होते है। सदर और कोठीबाजार क्षेत्र में जहां सप्ताह के प्रति गुरूवार और रविवार बाजार भरता है, वहीं गंज क्षेत्र में शनिवार और बुधवार बाजार लगता है। इन तीनों बाजारों में सब्जी विक्रेता मुख्य सडक किनारे ही दुकान लगाते है। जिससे बार-बार ट्रॉफिक जाम होने के साथ-साथ दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। खासकर सदर और कोठीबाजार क्षेत्र में सडकों की चौड़ाई कम होने से वाहन चालकों के लिए आवागमन काफी मुश्किल भरा बन जाता है। ऐसे में कोई बड़ा वाहन आ जाये तो लोग घंटो तक ट्रॉफिक जाम में फंसे रहते है और परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में आते है सब्जी विक्रेता: जिला मुख्यालय होने के कारण शहर के इन बाजारों में स्थानीय विक्रेताओं के अलावा आसपास क्षेत्र के ग्रामीण भी सब्जियां बेचने के लिए पहुंचते है। एक अनुमान के मुताबिक साप्ताहिक बाजार में करीब 1500 के आसपास सब्जी विक्रेता सब्जियां बेचते है। जिन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिलने के कारण यह अपनी दुकानें सडक किनारे लगाते है। कई दुकानदारों की दुकाने तो सडक पर ही लगती है। जिससे सड़क की चौड़ाई सिकुडकर एक तिहाई रह जाती है। जिस पर वाहनों के अलावा आमजनों का भी आवागमन रहता है। ऐसे में ट्रॉफिक पुलिस के लिए भी व्यवस्था बनाना मुश्किल हो जाता है और खामियाजा आमजनों को भुगतना पड़ता है।

शहर के बाजारों के यह है हालात: सदर क्षेत्र में साप्ताहिक बाजार पीडब्ल्यूडी चौक से बाजार शुरू होता है तो गर्ल्स कॉलेज के अंदर से होते हुए पीछे का पूरा हिस्सा और सदर में बने काम्प्लेक्स तक लगता है। सभी गलियों में सब्जी विक्रेता बैठे नजर आते हैं। वहीं कोठीबाजार क्षेत्र में लल्ली चौक से थाना रोड तक और थाना रोड से कमानी गेट, कमानी गेट से दुर्गा मंदिर सहित आसपास की गलियों तक में सब्जी बाजार लगता है। गंज क्षेत्र में पहले सब्जी विक्रेताओं के लिए गुजरी लगती थी, लेकिन गुजरी बंद होने के बाद सब्जी विक्रेता सड़क पर आ गए। अब स्थिति यह है कि गंज क्षेत्र की ऐसी कोई सडक नहीं बची हैं जहां सब्जी की दुकानें नहीं लगी रही हैं। यहां तक की गंज से साप्ताहिक बाजार फेलकर कॉलेज चौक तक पहुंच गया है। यहां भी सब्जी विक्रेताओं ने दुकानें खोल ली हैं। जिसके कारण आवागमन में परेशानी आती है।

सबसे ज्यादा खलती है पार्किंग व्यवस्था: शहर के तीनों प्रमुख साप्ताहिक बाजार में पार्किंग का अभाव है, जो यहां व्यापारियों के साथ-साथ आमजनता को काफी खलती है। हालांकि कोठीबाजार में गांधी चौक के पास पार्किंग बनाने के लिए भूमिपूजन हो चुका है, लेकिन काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। वहीं सदर और गंज क्षेत्र में लोग सडक किनारे ही अपने वाहन खड़े करते है या वाहनों में बैठकर ही खरीदी करने को मजबूर है। जिसके कारण यहां बार-बार जाम की स्थिति बनती है। खासकर कोठीबाजार में कमानी गेट पर तो गुरूवार-रविवार शाम के समय इतना लंबा जाम लग जाता है कि लोगों को जाम से निकलने के लिए घंटो इंतजार करना पड़ता है।

इनका कहना है -

साप्ताहिक बाजारों को व्यवस्थित करने के लिए प्लानिंग बनाकर काम किया जाएगा। सब्जी विक्रेताओं से भी बातचीत की जाएगी। गंज क्षेत्र में सब्जी विक्रेताओं के लिए प्राथमिक स्कूल की जमीन पर जगह तैयार की जा रही है। ताकि लोगों के लिए परेशानी का सामना ना करना पड़े।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ नगरपालिका बैतूल

वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश की जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

बैतूल। आभाश्री होटल सिविल लाइन बैतूल में वैश्य महासम्मेलन मप्र की जिला कार्यकारिणी की बैठक की आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश महामंत्री एवं संभाग प्रभारी राजीव खंडेलवाल द्वारा की गई। जिले में अभी तक आजीवन सदस्यों की संख्या 800 है, जिसे कम से कम 1000 की संख्या करने का लक्ष्य को दिया गया है।

निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन और 13 सितंबर को बारहलिंग में आजीवन वैश्य बंधु का टिफिन पार्टी का आयोजन किया जाना भी तय हुआ है। घर-घर तिरंगा फहराने के अभियान में भी वैश्य समाज भागीदारी करेगा। क्रिकेट प्रतियोगिता व गरबा उत्सव कार्यक्रम करने पर भी चर्चा की गई। जिन तहसीलों में समिति गठित नहीं हुई है, वहां समिति का गठन शीघ्र किये जाने का निर्देश दिया गया। 27 जुलाई को हुए आजीवन सदस्यों के सम्मेलन के सफल आयोजन पर सभी सदस्यों को बधाई दी गई। बैठक के अंत में शाहपुर तहसील के वरिष्ठ सदस्य अनिल जैन के चाचाजी स्व. मोतीलाल जैन, मुलताई नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी अशोक शिवहरे की माताजी श्रीमति पार्वती बाई शिवहरे तथा बैतूल निवासी श्रीमति नूतन जैन की बहन श्रीमति सोमलता छाबडा के निधन पर बैठक के पश्चात 2 मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतृप परिवार को इस गहन दुख्ख को सहन करने शक्ति प्रदान करने की भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। .बैठक में प्रमुख रूप से वरिष्ठ सदस्य एवं संरक्षक बिरदीचंद पगारिया, राजेन्द्र जायसवाल, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य तपन मोनू खंडेलवाल, जिला प्रभारी आशीष अग्रवाल, जिला अध्यक्ष, अखिलेश गोठी जिला, उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल, जिला महामंत्री हेमंत पगारिया, जिला कोषाध्यक्ष जयदीप सिंह रूनवाल, कमलेश मेहता, अध्यक्ष राजकमार राजु अग्रवाल, रघुवर प्रसाद सोनी, अध्यक्ष उज्जवल अग्रवाल चिचोली तहसील अध्यक्ष जितेन्द्र सूर्यवंशी, सजल शिवहरे, राजेश साहू, महिला जिलाध्यक्ष अमिता गुप्ता, राखी खंडेलवाल, कंचन जैन, आभा गर्ग, हर्षा अग्रवाल, पूनम खंडेलवाल, कार्यालय मंत्री अरविंद मालवीय, आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय रोजगार मेले में 28 अभ्यर्थियों का किया चयन

बैतूल। जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम के तहत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन 13 अगस्त को प्रातः 11 बजे से 4 बजे तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सदर इटारसी रोड बैतूल में किया गया। रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर उपस्थित रही। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 63 आवेदकों ने पंजीयन कराया था। रोजगार मेले में उपस्थित 10 कंपनियों के द्वारा 28 आवेदकों का प्राथमिक रूप से चयन कर 04 को लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिला रोजगार कार्यालय के द्वारा कैरियर काउंसलिंग की गई, जिसमें 33 आवेदकों ने करियर से संबंधित मार्गदर्शन प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के हितग्राहियों को दो-दो लाख के चेक किए वितरित

जुवाड़ी पंचायत के शिविर में वित्तीय साक्षरता एवं लेनदेन पर दी विस्तृत जानकारी

बैतूल। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार जन सुरक्षा संतृप्ति अभियान के अंतर्गत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया घोड़ाडोंगरी एवं रानीपुर शाखा द्वारा घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के अंतर्गत जुवाड़ी पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, अटल पेंशन योजना री-केवाईसी आदि योजनाओं की सुविधा प्रदान की गई। भारी वर्षा के बावजूद भी बड़ी संख्या में खाताधारकों ने इन योजनाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल के महाप्रबंधक हेमंत कुमार सोनी एवं जिला विकास अधिकारी सौम्यदीप चटर्जी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया नर्मदापुरम के क्षेत्रीय प्रमुख रजत मिश्रा, बैंक ऑफ इंडिया खंडवा के आंचलिक प्रबंधक एवं डीडीएम नाबार्ड से राहुल कुशवाह, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया एलडीएम आशुतोष सिंह, सेंट्रल ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान भारत भारती निदेशक श्रीति शेंडे एवं सेंट्रल बैंक की संपूर्ण टीम उपस्थित रहे। आगंतुकों का बड़े हर्ष के साथ स्वागत एवं प्रतिभागियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पंजीकृत किया गया। वित्तीय साक्षरता एवं लेनदेन पर वक्ताओं द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। महाप्रबंधक श्री सोनी ने वित्तीय साक्षरता के विभिन्न पहलुओं और ई-केवाईसी के महत्व पर बात की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के अंतर्गत सेंट्रल बैंक के दो हितग्राही नॉमिनी को महाप्रबंधक द्वारा दो-दो लाख के चेक प्रदान किये गये।

हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा का उद्देश्य आम जन में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना है : निलेश भारती

● नगर भाजपा द्वारा तिरंगा यात्रा वाहन रैली निकालकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया

धार। बुधवार को नगर भाजपा ने हर घर तिरंगा यात्रा अभियान के अंतर्गत नगर के प्रमुख मार्ग पर तिरंगा वाहन रैली निकाली। वाहन रैली में केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर धार विधायक नीना वर्मा भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विशाल निगम और जयराज देवड़ा तिरंगा यात्रा अभियान जिला संयोजक देवेंद्र सोनोने, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी भाजपा कार्यकर्ता भारत माता की जय जय घोष के साथ देश भक्ति नारे लगा कर चल रहे थे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि वाहन रैली भाजपा जिला मुख्यालय से प्रारंभ होकर पाटीदार तिराहा, बस स्टेंड, पठ्ठा चौपाटी, नालछा दरवाजा, पो चौपाटी, राजवाड़ा, आनंद चौपाटी, पीपली बाजार, हटवाड़ा, मोहन टॉकीज , घोड़ा चौपाटी नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए पुनः भाजपा जिला कार्यालय पर समापन हुआ। भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती ने कहा कि घर-घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा निकालने का मुख्य उद्देश्य युवा वर्ग एवं आम जन में राष्ट्र प्रेम की भावना को जागृत करना है हमें अपने राष्ट एवं देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की बलि देने वाले देशभक्ति सैनिकों को भी हमेशा याद रखना चाहिए। इसलिए हमको 15 अगस्त तक हर घर घर तिरंगा लगाना है और तिरंगा लगाते हुए अपनी सेल्फी सोशल मीडिया पर डालना है जिस गांव-गांव में तिरंगे के प्रति लोगों में सम्मान और बड़ेगा। इस अवसर पर युवा मोर्चा जिला महामंत्री अंकित भावसार कालीचरण सोनवानीया शिव पटेल दीपक सिंह रघुवंशी दीपक शर्मा विशाल राठौर नितेश अग्रवाल अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनम चंद फकीरा मनोज जैन बादल मालवीय करण पटेल लव प्रजापति देवेंद्र रावल अमित शर्मा सुरेश प्रजापत सीमा सोनी राकी आहूजा रीमा राठौर प्रज्ञा ठाकुर समेत भाजपा नगर पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलेक्टर-एसपी ने स्वतंत्रता दिवस तैयारियों का किया निरीक्षण

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने बुधवार को पुलिस ग्राउंड में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण, मुख्यमंत्री के संदेश के लाइव प्रसारण, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रशस्ति पत्र वितरण जैसी गतिविधियों की मिनट-टू-मिनट रूपरेखा की रिहर्सल की गई और आवश्यक निर्देश दिए। गौरतलब है कि इस वर्ष पहली बार राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री का संदेश एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लाइव प्रसारित किया जाएगा। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देशित किया कि सौंपे गए दायित्वों को पूरी गंभीरता के साथ पूर्ण किया जाएं। स्वतंत्रता दिवस की फाइनल रिहर्सल 14 अगस्त को कार्यक्रम स्थल पुलिस ग्राउंड में की जाएगी।

जोश-खरोश के साथ बैतूल में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

● तेज बारिश भी न थाम सकी तिरंगे का जुनून, बैतूल में उमड़ा देशभक्ति का सैलाब

● तिरंगे के सम्मान में 10 हजार से अधिक लोगों ने की भागीदारी

बैतूल। हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को बैतूल में विशाल और भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में देशभक्ति, उत्साह और उमंग का अद्भुत नजारा दिखाई दिया। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अभिमान और गौरव को प्रकट करते हुए बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, जनप्रतिनिधि, विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठन और नागरिक तिरंगा उठाए यात्रा में चले। तिरंगे के सम्मान में 10 हजार से अधिक लोगों ने यात्रा में भागीदारी की। भव्य तिरंगा यात्रा का शुभारंभ लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम से किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जनजातीय कार्य दुर्गादास उईके, प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल, जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नगर, विधायक महेंद्र सिंह चौहान, विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे, विधायक श्रीमती गंगाबाई उईके, पूर्व सांसद श्रीमती ज्योति धुर्वे, सुधाकर पवार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, पार्षदगण तथा कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी सहित शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य, स्वास्थ्य, नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा में पुलिस बैंड ने देशभक्ति की धुन प्रस्तुत करते हुए यात्रा की अगुवाई की।

सभी जनप्रतिनिधि, स्कूली बच्चे और नागरिक उत्साह और उमंग के साथ ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को नमन करते हुए तिरंगा थामे यात्रा में आगे बढ़े। प्रमुख मार्गो पर सामाजिक और व्यापारी संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यात्रा में भारत माता की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। बारिश की तेज बौछार भी बच्चों का उत्साह कम नहीं कर पाई। दोगुने उत्साह और उमंग के साथ तिरंगा यात्रा आगे बढ़ी। तिरंगा यात्रा स्टेडियम से प्रारंभ होकर शिवाजी चौक, दिलबहार चौक, मैकेनिक चौक, कारगिल चौक, नेहरू पार्क, अंबेडकर चौक होते हुए कोठी बाजार पेट्रोल पंप के सामने से स्टेडियम पहुंची, जहां ऐतिहासिक यात्रा का समापन हुआ।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए: कलेक्टर

अवैध कॉलेनियों के विकास, जीओ टेगिंग और अपूर्ण आवासों को पूर्ण कराने कम प्रगति पर सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शोकाज नोटिस

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को नगरीय प्रशासन विभाग अंतर्गत संचालित समस्त योजनाओं की निकायवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत ज्यादा से ज्यादा पात्र हितग्राहियों के आवेदन आमंत्रित कर उन्हें लाभान्वित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवास योजना शहरी के तहत प्राप्त आवेदनों को यूनीफाइड पोर्टल पर आवेदनों का सत्यापन शीघ्र सुनिश्चित कराए। साथ ही जीओ टेगिंग और डीपीआर बनाने का कार्य भी यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने आवास योजना शहरी में आवेदनों की संख्या में प्रगति नहीं लाने, जीओ टेगिंग, अवैध कॉलोनियों का विकास और अपूर्ण आवासों को पूर्ण कराने में भी संतोष जनक प्रगति नहीं होने पर सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आगामी दो दिवसों में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में सभी पात्रों के आवेदन सुनिश्चित कराए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अवैध कॉलोनियों के नियमितीकरण की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अवैध कॉलोनियों के नियमितीकरण होने के बावजूद उन कॉलोनियों में विकास कार्य नहीं किए जाने पर नाराजगी जाहिर की और आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर विकास कार्य पूण किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत अपूर्ण आवासों को पूर्ण कराने के लिए हितग्राहियों को प्रेरित किया जाए। साथ ही आवश्यकता अनुसार वसूली और कार्यवाही भी संबंधित हितग्राही पर की जाए। उन्होंने अपूर्ण आवासों को पूर्ण कराने के लिए बैतूल बाजार, भैंसदेही और आमला को विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अमृत 2.0 योजना अंतर्गत पेयजल आपूर्ति, जल संरचनाओं का निर्माण और पार्क निर्माण की प्रगति की निकायवार जानकारी ली। उन्होंने जल संरचनाओं और पार्क निर्माण कार्य को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आमला और मुलताई क्षेत्र में उपलब्ध जल संसाधन का सदुपयोग कर पेयजल आपूर्ति की स्थाई व्यवस्था बनाने के निर्देश आमला और मुलताई के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत ब्याज अनुदान स्कीम का भी व्यापक प्रचार प्रसार कर योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजना अधिकारी जिला विकास अभिकरण श्री सतीष मत्सेनिया सहित सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

नवीन हाई स्कूल हरदा में विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

हरदा (निप्र)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में सोमवार को शासकीय नवीन हाई स्कूल नगर पालिका हरदा में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में उपस्थित न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री चंद्रशेखर राठौर ने बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल यौन शोषण, बाल विवाह, बाल श्रम आदि अपराधों के बारे में लोगों को जागरूक किया।

उन्होने इस दौरान नालसा आदिवासियों के अधिकारों के संरक्षण एवं प्रवर्तन हेतु विधिक सेवाएं योजना के तहत उनके कानूनी आधिकारों तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होने अनुसूचित जनजातियां और अन्य पारंपरिक वनवासी वन-अधिकारों की मान्यता अधिनियम और अनुसुचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, नालसा नशा पीड़ितों को विधिक सेवाऐं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाऐं के उपबंधों की जानकारी देते हुए बताया कि योजना के तहत ड्रग्स तस्करी एवं ड्रग्स पीड़ितों को जिला प्राधिकरण के द्वारा आवश्यक विधिक सेवा उपलब्ध करायी जाती है। सचिव श्री राठौन ने बताया कि योजना के तहत ड्रग्स पीड़ितों को पहचानने, उनका उपचार करने तथा नशा मुक्ति के पश्चात उनके पुनर्वास में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं को गतिमान कराया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

कॉलोनी में नहीं आ रहा कचरा संग्रहण वाहन

विदिशा (निप्र)। हरिपुरा शिव विहार फेस 2 कॉलोनी में कई दिनों से कचरा कलेक्शन वाली गाड़ी नहीं आ रही है। इससे लोगों के घरों में कचरे के ढेर लग रहे हैं। कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। सीएमओ, नगर पालिका सफाई प्रभारी और दरोगा को कई बार मोबाइल पर सूचना दी गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया। कोई सुनवाई न होने के कारण कई लोगों ने सीएम हेल्पलाइन पर भी इस संबंध में शिकायत की है।

भुजरिया विसर्जन कर एक- दूसरे से लिया आशीर्वाद

मुरवास(निप्र)। भुजरिया विसर्जन का त्योहार हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। ग्रामीण महिलाओं ने अपनी-अपनी कजलिया को सुंदर और आकर्षक तरीके से सजाया। पुरुषों ने पारंपरिक गीत गाए। दांडी खेलकर माहौल को उत्सवमय बना दिया। गांव में रंग-बिरंगे परिधानों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ भव्य चल समारोह निकाला गया। यह यात्रा जानकी मंदिर से शुरू होकर पुलिया मोहल्ला, दूधिया भैरों होते हुए मुख्य मार्गों से तालाब तक पहुँची।

'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान के तहत जिले में निकाली गई तिरंगा रैली

रायसेन (निप्र)। प्रदेश के साथ ही रायसेन जिले में भी देश प्रेम, एकता, देशभक्ति की भावना और राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान मनाया जा रहा है। अभियान के तहत सम्पूर्ण जिले में सभी नगरीय निकायों और विकासखण्डों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। रायसेन नगर में नगर पालिका परिषद द्वारा वाहन रैली निकालकर नागरिकों को हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता का संदेश दिया गया। गैरतगंज में भी तिरंगा रैली निकाली गई जिसमें एसडीएम, जनपद सीईओ सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों तथा स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई। इसी प्रकार औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत के विभिन्न ग्रामों में शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों तथा ग्रामीणों द्वारा तिरंगा रैली निकालकर हर घर तिरंगा फहराने का संदेश दिया गया।

लंबित आवेदनो के निराकरणो पर विशेष पहल करें : कलेक्टर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनो की समीक्षा की। उन्होंने विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विभागीय लंबित सभी प्रकार के आवेदनो का निराकरण समय सीमा में हो इसके लिए हर स्तर पर विशेष पहल करे ताकि लंबित आवेदनो की समीक्षा के दौरान जिले की ख्याति में गिरावट ना आए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में मुख्यतः सीएम डेश बोर्ड, सीएम हेल्पलाइन, समाधान आन लाइन, विभिन्न आयोगो और वरिष्ठ कार्यालयों के साथ-साथ जन सुनवाई कार्यक्रमो में प्राप्त हुए आवेदनो पर विभागवार निराकरण की अद्यतन स्थिति से अवगत हुए है। उन्होंने कहा कि हरेक सप्ताह पिछले तीन माह की ग्रेडिंग रैकिंग सूची के आधार पर समीक्षा की जाएगी। उन्होंने संतुष्टि से समाधान कराए जाने पर बल देते हुए कहा कि हरेक विभाग का आवेदनो के निराकरण मामलो में संतुष्टि का 58 प्रतिशत से कम ना हो। उन्होंने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में सम्मिलित विषयों पर आधारित आवेदनो के निराकरणो की विशेष तौर पर समीक्षा की और शीघ्रतिशीघ्र आवेदनो के निराकरणो पर बल दिया है। उपरोक्त समीक्षात्मक बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया, प्रशिक्षु डीएफओ श्री हिमांशु त्यागी के अलावा संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर समेत विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें जबकि अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों और खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद किया गया था।

यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल भोजपुर मंदिर से दिया देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश

मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

रायसेन (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर, स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में 'हर घर तिरंगा' अभियान उत्साहपूर्वक जारी है। इस वर्ष की थीम स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग के अंतर्गत मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर भी विभिन्न जन जागरूकता और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने सोमवार सुबह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की अस्थायी सूची में शामिल रायसेन जिले में स्थित भोजपुर मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया।

मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड श्री शिवशेखर शुक्ला के निर्देशन में किया गया। इस अभियान में विभिन्न कॉलेजों के 100 से अधिक विद्यार्थी और स्थानीय नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। प्रतिभागियों ने मंदिर परिसर और उसके आसपास फैले निर्माल्य एवं अन्य कचरे का वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन किया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को गीता के कर्मयोग का संदेश दिया गया, जिससे यह अभियान केवल सफाई तक सीमित न रहकर सामाजिक व आध्यात्मिक जागरूकता का माध्यम भी बना। इस कार्यक्रम का आयोजन जंगल ट्रेक ग्रुप के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर डॉ. मनोज कुर्मी, सुप्रिटेंडेंट आर्कियोलॉजिस्ट, भोपाल सर्किल, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) तथा श्री के. के. सिंह, सलाहकार, साहसिक पर्यटन, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को स्वच्छता और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के महत्व पर प्रेरणादायक विचार साझा किए।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत बुधनी नगर परिषद द्वारा बनाई मानव श्रृंखला

सीहोर (निप्र)। नागरिकों में देशभक्ति और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले में 02 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में अभियान के तहत बुधनी नगर परिषद द्वारा सामूहिक मानव श्रृंखला बनाई गई।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की पीएम आवास योजना और स्वरोजगार मूलक योजनाओं की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित डीएलसीसी बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 और स्वरोजगारमूलक योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने निकायवार पीएम आवास योजना के तहत प्राप्त आवेदनों तथा स्वीकृत आवेदनों की जानकारी लेते हुए पीओ डूडा और सभी सीएमओ को निर्देश दिए पीएम आवास योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, इसका लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाया जाना सुनिश्चित करें। नगरीय निकाय स्तर पर शिविर लगाए जाएं तथा जो पात्र हितग्राही शेष रह गए हैं उनसे आवेदन भरवाते हुए कार्यवाही पूर्ण कराएं। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्य विभाग और जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आचार्य विद्यासागर योजना और मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत बैंकों को भेजे गए प्रकरणों तथा स्वीकृत प्रकरणों की जानकारी लेते हुए बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियमानुसार पात्र आवेदनों पर स्वीकृति और राशि वितरण की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए।

गलत खरपतवारनाशी विक्रय करने पर एचपीएम केमिकल्स एण्ड फर्टिलाईजर्स पर एफआईआर

विदिशा (निप्र)। जिले के विभिन्न कृषकों से निरंतर एचपीएम केमिकल्स एण्ड फर्टिलाईजर्स लि. पीतमपुरा दिल्ली की खरपतवारनाशी की शिकायतें प्राप्त हो रही थी। उक्त संबंध में लगभग 40 किसानों से एचपीएम कंपनी की दवा क्लोरीम्यूरान इथॉयल 25 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. (बायोक्लोर) बेच नं. केई-04 के उपयोग से सोयाबीन फसल खराब होने की शिकायतें प्राप्त हुई थी। उक्त संबंध में कार्यवाही करते हुये उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला विदिशा द्वारा जांच दल गठित किया गया। गठित दल द्वारा प्रभावित सोयाबीन फसलों का निरीक्षण किया गया, जिसमें लगभग 80 से 90 प्रतिशत सोयाबीन फसल प्रभावित हुई हैं। निरीक्षण के दौरान बायोक्लोर खरपतवारनाशी से सोयाबीन की फसल का सूखना पाया गया। इस प्रकार कृषकों को गलत खरपतवारनाशी का विक्रय किया गया है जो कि कीटनाशी अधिनियम 1968 का उल्लंघन है। जिस पर कार्यवाही करते हुये वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी ध् कीटनाशी निरीक्षक श्री आरके शर्मा द्वारा एचपीएम केमिकल्स एण्ड फर्टिलाईजर्स पीतमपुरा दिल्ली के श्री अनिष कुमार पाण्डेय, श्री मंगाराम, श्री अश्विनी कुमार, श्री सुजीत पंचरिया एवं श्री अशोक अग्रवाल के खिलाफ कीटनाशक अधिनियम 1968 की धारा 29 एवं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 318 (2), 3(5) के तहत थाना सिविल लाईन विदिशा में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उप संचालक कृषि श्री केएस खपेडिया ने जिले के समस्त कीटनाशक विक्रेताओं से अपील की है कि कीटनाशक अधिनियम 1968 में निहित प्रावधान अनुसार कीटनाशकों का व्यापार करें तथा उर्वरक विक्रेताओं से अपील है कि उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 एवं आवश्यक

एम्बेड मलेरिया विभाग के साथ चला रहा जागरूकता अभियान

विदिशा (निप्र)। फैमिली हेल्थ इंडिया के तत्वाधान व जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. टीकाराम शर्मा के मार्गदर्शन में गोदरेज के सहयोग से चल रही एम्बेड परियोजना के अंतर्गत समुदाय में जागरूकता कार्यक्रम लार्वा सर्वे घर-घर भ्रमण एवं मच्छरों से उत्पन्न होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी, लक्षण व बचाव के उपाय बताये जा रहे हैं, ताकि वे अपने घर एवं मोहल्ले में पानी जमा न होने दें। आस पास का वातावरण स्वच्छ रखें एवं बुखार आने व लक्षण दिखने पर तुरंत जाँच कराएं व अपील की गई कि वे अपने आसपास के क्षेत्र में डेंगू व मलेरिया से बचाव हेतु मच्छरदानी का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। साथ ही रहवासियों को जनजागरुकता के माध्यम से एवं पोस्टर बैनर के माध्यम से डेंगू और मलेरिया के प्रति जागरूक किया गया है। इसके साथ ही भ्रमण एवं सामुदायिक बैठक के माध्यम से लोगों को डेंगू एवं मलेरिया के प्रति जागृत किया जा रहा है, ताकि समुदाय के लोग अपने- अपने घरों की स्वयं निगरानी करें, एक हफ्ते से ज्यादा पानी जमा ना होने दें। पानी की टंकी एवं फ्रिज की ट्रे को समय-समय पर जांच करते रहें। हर हफ्ते में एक बार पानी अवश्य बदलें और घर में किसी को बुखार आने की स्थिति में तुरंत ही सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सालय जाकर खून की जांच कराएं, डेंगू और मलेरिया संक्रामक रोग है, जो मच्छरों के काटने से होते हैं, इसलिए मच्छरों को काटने से खुद को बचाना जरूरी है।

विभिन्न आजीविका गतिविधियों से बनी 'लखपति दीदी'

अपनी मेहनत एवं शासन योजनाओं की सहायता से श्रीमती रश्मि मीना ने खोले आर्थिक सशक्तिकरण के द्वार

नर्मदापुरम (निप्र)। आजीविका मिशन से जुड़कर महिलाओं के जीवन में हो रहे बदलाव का एक प्रेरणादायक उदाहरण ग्राम सोनासांवरी की निवासी श्रीमती रश्मि मीना ने प्रस्तुत किया है। वर्ष 2017 में स्वयं सहायता समूह से जुड़ने से पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। उनके पति खेती और इलेक्ट्रिशियन का कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करते थे, जबकि रश्मि मीना पिको-फॉल एवं सिलाई का कार्य करती थीं।

आजीविका मिशन से मिली नई दिशा

समूह से जुड़ने के बाद श्रीमती रश्मि मीना ने आरसेटी प्रशिक्षण संस्था, नर्मदापुरम से सीएससी आईडी संचालन एवं 'वन जीपी वन बीसी' का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने समूह से ऋण लेकर अपनी पंचायत में सीएससी केंद्र स्थापित किया और मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक, इटारसी शाखा में बीसी सखी का कार्य प्रारंभ किया, जिससे उन्हें प्रतिमाह 5,000 से 6,000 रुपये की आय होने लगी।

इसके साथ ही उन्होंने समूह से 25,000 रुपये का बैंक ऋण लेकर सेनेटरी नैपकिन री-पैकेजिंग यूनिट प्रारंभ की, जिससे उनकी मासिक आय में 2,000 से 2,500 रुपये की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, ईसीआरपी के रूप में आजीविका मिशन से प्राप्त ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कार्य करने पर उन्हें 2,500 से 3,000 रुपये अतिरिक्त मानदेय मिलने लगा।

परिवार की बढ़ी आमदनी

रश्मि मीना ने समूह से बैंक ऋण लेकर अपने पति के लिए ग्राम सोनासांवरी में इलेक्ट्रिक शॉप भी खोल दी। कृषि एवं अन्य कार्यों को मिलाकर उनके परिवार की मासिक आय 25,000 से 30,000 रुपये तक पहुंच गई और वे 'लखपति दीदी' की श्रेणी में शामिल हो गईं।

सशक्त और प्रेरणादायक व्यक्तित्व

आज श्रीमती रश्मि मीना न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हैं बल्कि ग्राम में सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं। उन्हें मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ भी मिल रहा है। वे गांव की अन्य समूह सदस्य महिलाओं को भी विभिन्न आजीविका गतिविधियों में जुड़ने की सलाह देती हैं। श्रीमती रश्मि मीना ने आजीविका मिशन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस मिशन ने उनके जीवन में स्थायी आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त किया है।

मुख्यमंत्री ने हर घर तिरंगा अभियान में सीएम निवास पर फहराया तिरंगा

- प्रदेशवासियों से किया अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आहवान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री निवास पर स्वयं तिरंगा फहराया और सेल्फी भी ली। इस अवसर पर प्रदेशवासियों को दिए संदेश में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हर घर तिरंगा अभियान से पूरे देश में देशभक्ति का वातावरण बना है। प्रदेश में हर गांव, वार्ड, विकासखंड, तहसील और जिला स्तर पर उत्साह-उमंग से हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत गतिविधियां जारी हैं। वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं और बच्चे अभियान से भावनात्मक रूप से जुड़े हैं। विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर में सेना द्वारा दिखाए गए पराक्रम ने सभी में देशभक्ति की भावना का संचार किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विश्व में स्थिति और प्रगति से हर देशवासी गौरवान्वित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आहवान भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से एडमिरल श्री त्रिपाठी ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में एडमिरल श्री दिनेश कुमार त्रिपाठी ने सपत्नीक सौजन्य भेंट की। एडमिरल श्री त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से एडमिरल श्री त्रिपाठी ने विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और एडमिरल श्री त्रिपाठी ने तिरंगा हाथ में लेकर सभी से हर घर तिरंगा अभियान में सहभागिता करने की अपील की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एडमिरल श्री त्रिपाठी को निवास कार्यालय कक्ष से बड़ा तालाब के विहंगम दृश्य का अवलोकन कराया और तालाब के निर्माण एवं इतिहास की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री त्रिपाठी को अंगवस्त्र ओढ़ाकर बाबा महाकाल मंदिर का छायाचित्र भेंट किया। एडमिरल श्री त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लाइट हाउस की प्रतिकृति भेंट की। एडमिरल श्री त्रिपाठी भारतीय नौसेना के सेवारत चार सितारा ध्वज अधिकारी हैं। श्री त्रिपाठी ने अपनी स्कूली शिक्षा सैनिक स्कूल रीवा से पूरी की और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

एम्स भोपाल में एंटी-रैगिंग दिवस पर छात्रों को जागरूक किया गया

भोपाल। एम्स भोपाल में 12 अगस्त को एंटी-रैगिंग दिवस के अवसर पर छात्रों को रैगिंग के खतरों और इससे बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम 12 से 18 अगस्त तक मनाए जाने वाले एंटी-रैगिंग सप्ताह की शुरुआत के रूप में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य संस्थान में सुरक्षित, सम्मानजनक और सहयोगी माहौल सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में एमबीबीएस बैच 2023 और बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग बैच 2023 के छात्रों ने भाग लिया। सत्र की शुरुआत डीन (एकेडमिक्स) के संबोधन से हुई। उन्होंने छात्रों को बताया कि कौन-सी गतिविधियां रैगिंग की श्रेणी में आती हैं और क्यों आपसी सम्मान और गरिमा बनाए रखना जरूरी है। इसके बाद डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उन नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जो देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग को रोकने के लिए बनाए गए हैं। कार्यक्रम में छात्रों को चेतावनी दी गई कि रैगिंग के मामलों में संस्थान की ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी लागू होती है। यदि कोई घटना सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें कानूनी कार्रवाई भी शामिल हो सकती है। यह अभियान न केवल जानकारी देने के लिए, बल्कि छात्रों को प्रेरित करने के लिए भी आयोजित किया गया, ताकि वे एकजुट होकर रैगिंग के खिलाफ खड़े हों और सभी के लिए सुरक्षित व सकारात्मक सीखने का माहौल तैयार करें।

फोटो : प्रवीण वाजपेयी

स्वतंत्रता समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल

15 को सीएम करेंगे ध्वजारोहण,8 कंपनियां करेंगी परेड, पुलिस पदक भी वितरित होंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में बुधवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल की गई। इसमें सामने आई खामियों को दूर किया गया। 15 अगस्त को राज्य स्तरीय स्वतंत्रता समारोह पर सीएम डॉ. मोहन यादव ध्वजारोहण करेंगे। समारोह में पुलिसकर्मियों को पदक भी वितरित किए जाएंगे। परेड में डीजीपी कैलाश मकवाना सहित भोपाल पुलिस के तमाम आला अधिकारी मौजूद थे। अफसरों ने परेड सलामी से लेकर पदक वितरण समारोह के बारे में जानकारी भी ली। परेड में अलग-अलग कंपनियां हिस्सा लेंगी।

स्कूली बच्चे भी होंगे शामिल

स्कूली बच्चे मुख्य समारोह में शामिल होंगे और बड़ी संख्या में विभिन्न झांकियों को शामिल किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम में भोपाल क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान को पदक दिया जाएगा।

- **अभ्यास परेड में पुलिस बैंड सहित कुल 17 टुकड़ियों ने भाग लिया:** संयुक्त अभ्यास परेड में पुलिस बैंड सहित कुल 17 टुकड़ियों ने भाग लिया। इनमें उत्तर प्रदेश पुलिस बल, विशेष सशस्त्र बल (उत्तरी जोन), महिलाओं का विशेष सशस्त्र बल, जिला बल एवं रेल की संयुक्त टुकड़ी, विशेष सशस्त्र बल (दक्षिणी जोन), हॉक फोर्स, एसटीएफ, जिला पुलिस बल, जेल विभाग (महिला), शासकीय रेल पुलिस, नगर सेना (होमगार्ड), एनसीसी सीनियर डिवीजन एयर विंग नेवल विंग (बॉयज संयुक्त टुकड़ी), एनसीसी सीनियर विंग एयर विंग नेवल विंग (गर्ल्स संयुक्त टुकड़ी), गाइड गर्ल्स, स्काउट्स बॉयज, शौर्य दल, पुलिस बैंड तथा अश्वारोही दल शामिल है।

मुख्य अतिथि से पदक अलंकरण प्राप्त करने का अभ्यास

प्रतीक स्वरूप संदेश वाचन के बाद राष्ट्रपति पदक प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी मुख्य अतिथि से पदक अलंकरण प्राप्त करने का अभ्यास किया। अंत में परेड कमाण्डर और परेड में शामिल सभी दलों के प्लाटून कमाण्डरों ने मुख्य अतिथि को अपना परिचय देने का अभ्यास भी किया। अभ्यास के दौरान स्टेडियम में नागरिकों के आने-जाने व सुरक्षा व्यवस्था सहित स्टेडियम के यातायात, पार्किंग एवं अन्य सभी व्यवस्थाओं की भी बारीकी से जांच की गई। इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित जिला प्रशासन व भोपाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नशे के अवैध कारोबार में लिप्त आरोपियों के खिलाफ जारी रहेगी ठोस कार्रवाई : सीएम डॉ. यादव

- नशा नाश की जड़ है, इसकी लत से होने वाला कष्ट किसी से नहीं छिपा
- प्रदेश सरकार समाज से नशे की बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए संकल्पित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नशा परिवार, समाज और देश की खुशहाली और समृद्धि को कई गुना पीछे ले जाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत 5 वर्ष पहले की थी। नशा मुक्त मध्यप्रदेश के संकल्प की सिद्धि के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। प्रदेश के 19 धार्मिक क्षेत्रों में शराब दुकानों और बार पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 31 जुलाई तक प्रदेश में नशे से दूरी है जरूरी अभियान का सफल संचालन किया गया। पुलिस नशा कारोबारियों के मास्टरमाइंड पर शिकंजा कस रही है। नशा मुक्त मध्यप्रदेश के लिए कानून के साथ सामाजिक जागरूकता की दिशा में भी काम किया जा रहा है। सरकार समाज से नशे की बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए संकल्पित हैं। भोपाल पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार में लिप्त आरोपियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की है। कोई कितना भी पहुंच वाला क्यों न हो, आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को रवींद्र भवन स्थित हंसध्वनि सभागार में नशा मुक्त भारत अभियान की पांचवीं वर्षगांठ पर आयोजित राज्य स्तरीय वृहद नशा मुक्ति शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित किया।

विवेकानंद नशा मुक्ति पुरस्कारों का हुआ वितरण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर नशा मुक्ति शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 56 लाख 52 हजार से अधिक हितग्राहियों के खातों में 339 करोड़ रुपए की पेंशन का सिंगल क्लिक से अंतरण भी किया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और नशा मुक्ति पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2023-24 के लिए विवेकानंद नशा मुक्ति पुरस्कार भी वितरित किए। इसके अंतर्गत शुद्धि नशामुक्ति केंद्र के अध्यक्ष श्री राजीव तिवारी, शहीद भगत सिंह सेवा समिति से श्री सुजीत कुमार द्विवेदी, अतिरिक्त पुलिस उप-आयुक्त इंदौर श्री राजेश दंडौतिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री प्रशांत चौबे और उप पुलिस अधीक्षक हॉकफोर्स बालाघाट श्री संतोष पटेल को पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान को देखकर आश्चर्यचकित है दुनिया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान के आधार पर परिष्कृत भारतीय दर्शन को विश्व बड़े आश्चर्य से देखता है। भारत के महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु ने पौधों में प्राण होने की बात कही तो विश्व के वैज्ञानिक अचंभित थे।

प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में हो रहा घोटाला : कमलनाथ

सैटेलाइट सर्वे के नाम पर किसानों को दिया जा रहा 100-200 रुपये बीमा क्लेम

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री से कमलनाथ ने मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना में घोटाले का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सैटेलाइट सर्वे के नाम पर किसानों को दिया जा रहा 100-200 रुपये बीमा क्लेम।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स जारी बयान में कहा-मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के नाम पर बड़ा घोटाला चल रहा है। सक्षम अधिकारियों के सामने क्रॉप कटिंग सर्वे में जो उपज सामने आ रही है, वही सेटेलाइट सर्वे में कई गुना ज्यादा दिखाई जा रही है।

इस तरह किसानों को हुए वास्तविक नुकसान की तुलना में बहुत कम नुकसान दिखाया जा रहा है और किसानों को बीमा क्लेम की न के बराबर रकम दी जा रही है। प्रदेश के उज्जैन, देवास, हरदा और खंडवा आदि जिलों में किसानों को बीमा क्लेम के रूप में 100 और 200 रुपये जैसी राशि भेजी जा रही है। देवास जिले की देवरी तहसील के चापड़ी पटवारी हल्का के बारे में तो बताया जा रहा है कि स्थानीय विधायक और एसडीएम के सामने जो फसल सर्वे हुआ था, उसमें सोयाबीन का 183 किलो प्रति हेक्टेयर उत्पादन आया था लेकिन सेटेलाइट सर्वे में 869.40 किलो प्रति हेक्टेयर आया। इस तरह से अधिकारियों के सर्वे की तुलना में सेटेलाइट सर्वे में चार गुना से अधिक उत्पादन दिखा दिया गया।

उज्जैन के किसानों का कहना है कि पिछले साल अतिवृष्टि से सोयाबीन की फसल को 50 से 70 फीसदी से अधिक नुकसान हुआ। सरकारी अधिकारियों के क्लेम में भी फसल को नुकसान की बात मानी गई। लेकिन 11 अगस्त से किसानों के खाते में जो क्लेम राशि डाली गई, वह 100, 200 और 600 रुपये तक है।

बीमा क्लेम में इस धांधली के खिलाफ प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में किसान विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत उज्जैन से तीर्थ यात्रियों को अयोध्या ले जाने वाली ट्रेन को मुख्यमंत्री निवास से झंडी दिखाकर रवाना किया।

भोपाल में कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक

कांग्रेस विधायकों और हारे प्रत्याशियों से मांगा फर्जी वोटरों का डेटा

भोपाल (नप्र)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनावों में वोटों की चोरी का आरोप लगाया है। इसके बाद से कांग्रेस इस मुद्दे पर लगातार चुनाव आयोग और बीजेपी को घेर रही है। आज (बुधवार) को भोपाल में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एमपी कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक हो रही है। जिसमें पार्टी के सभी विधायकों और विधानसभा चुनाव में हारे प्रत्याशियों से कहा है कि वे अपने क्षेत्र के दो चुनाव का फर्जी वोटर्स का डेटा दें। कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में मुख्य रूप से वोटों की चोरी के मुद्दे पर चर्चा हो रही है। बैठक में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि बीजेपी और इलेक्शन कमीशन अलग-अलग नहीं, दोनों एक ही हैं। इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, संजय दत्त, फूल सिंह बरैया, बाला बच्चन,

ओंकार सिंह मरकाम, एनपी प्रजापति, सुखदेव पांसे, अरुण यादव, विभा पटेल, सज्जन सिंह वर्मा, प्रवीण पाठक, नीटू सिकरवार मौजूद हैं। बैठक में वोट चोरी के मुद्दे को व्यापक स्तर पर उठाने को लेकर चर्चा हुई है। पार्टी के सभी विधायकों और विधानसभा चुनाव 2023 और 2018 में हारे हुए प्रत्याशियों से कहा है कि वे तत्समय के फर्जी वोटरों की जानकारी निकालें और लेकर आएं।

कांग्रेस विधायक ने एसपी को आधा पुरुष-आधा महिला कहा

भरे मंच से बोले- डिप्टी सीएम मिट्टी खाने वाला कीड़ा, सुबह, दोपहर-शाम को जमीन खाते हैं

रीवा (नप्र)। रीवा के सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा का विवादास्पद टिप्पणी का वीडियो सामने आया है। वीडियो मंगलवार को न्याय सत्याग्रह आंदोलन का है, जिसमें वे भरे मंच से रीवा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह को आधा पुरुष और आधा महिला कहते दिख रहे हैं। अभय मिश्रा यहीं नहीं रुके, उन्होंने डिप्टी सीएम को मिट्टी खाने वाला कीड़ा बताते हुए कहा कि वह सुबह, दोपहर, शाम जमीन खाते हैं। विधायक ने यह आरोप भी लगाया कि जिले में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। घर-घर में शराब बिक रही है और युवा नशे की चपेट में हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अपराधियों को संरक्षण दे रही है और एसपी अर्द्ध-नारीश्वर हैं। अभय मिश्रा ने कहा कि एसपी भोपाल में 50 लाख रुपए देकर आए हैं और शराब के ठेकों में पले-बढ़े हैं।

उनका एक ही काम है, कुर्सी न बदल जाए इसलिए माननीय शुक्ला जी की चरण वंदना करते रहो। रीवा को जलने दो। जिसकी इज्जत लूट लेनी हो, जिसको गोली मार देनी हो मार दो और उनकी कुर्सी बची रहे। शुक्ला जी के इशारे पर कांग्रेस के जितने बोलने वाले लोग हैं उनपर मुकदमा लगवाओ। और जितने बड़े अपराधी हैं, भले वो 302 कर दें उनके नाम मुकदमों से अलग कर दो नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने मंगलवार को न्याय सत्याग्रह आंदोलन के दौरान पुलिस से कमिश्नर कार्यालय में अंदर जाने देने की अपील की थी, लेकिन पुलिस ने रोक दिया था।

कहा- बड़े अपराधियों पर कार्रवाई नहीं होती: विधायक अभय मिश्रा ने मंत्री और अपराधियों में मिलीभगत के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा- दलाल कहते हैं कि मंत्री जी से मिल लो। उनकी शरण में चले जाओ, फिर वो आशीर्वाद देते हैं। वहीं, सब खत्म हो जाता है। अगर वो (अपराधी) नहीं जाता तो वो जिलाबदर हो जाएगा। इनके बड़े-बड़े अपराधों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। अभय ने कहा- थाने में किस तरह का कारनामा हुआ, यह सबके सामने उदाहरण है। ये अपनी पुलिस की रक्षा नहीं कर सकते। एक महिला अधिकारी को बंधक बनाकर उस पर हमला हो रहा है, जब ये उसकी रक्षा नहीं कर सकते तो जनता की क्या करेंगे?

जीतू पटवारी और उमंग सिंगार भी मौजूद थे: यह वीडियो उस समय का है जब कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए रीवा से न्याय सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत की थी। इस आंदोलन में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी मौजूद रहे।